राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार ,03 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–222 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाढ़ से बेहाल असम-बिहार, यूपी और महाराष्ट्र; पलायन पर मजबूर लोग

नई दिल्ली। बाढ़ से प्रभावित असम, महाराष्ट्र-बिहार, उत्तराखंड सहित यूपी में लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते जगह-जगह जलभराव हो गया है। नदियां उफान पर हैं, जिसके चलते जलस्तर बढ़ता जा रहा है। आलम यह है कि लोगों के घरों में पानी घुस गया है। हालांकि, लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। इतना ही नहीं भारी बारिश के चलते भूस्खलन जैसी घटनाएं भी पहाड़ी राज्यों से दर्ज हो रही हैं। यूपी की सरयू नदी में आई बाढ़ से हजारों बीघा फसल जलमग्न हो गई है। बारिश के चलते लगातार बर्बादी हो रही है। रेलवे ट्रैक पर भी बाढ़ का पानी पहुंचा गया है, जिससे रूट का डायवर्जन किया जा रहा है। इतना ही नहीं मुश्किल घड़ी में काफी संख्या में लोगों की जान भी गई है। तो चलिए जानते हैं कि बाढ़ के चलते देश के किस राज्य में क्या ताजा हालात हैं।

असम में लगातार बिगड़ रहे हालात

अगर सबसे पहले असम की बात करें तो यहां पर बाढ़ ने तबाही मचाई हुई है। लगातार स्थिति बिगड़ रही है। 8 जिलों में 573900 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। हालांकि, यह संख्या लगातार बढ़ रही है। वहीं पिछले दिनों प्रदेश में हरसंभव मदद प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा से बातचीत की थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय बाढ़ की स्थिति पर नजर रखे हुए है। वहीं, राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ की 10 टीमें राज्य में तैनात की गई है।

बिहार में नदियां उफान पर, नीतिश कुमार ने आर्थिक सहायता का एलान किया

बिहार में एक बार फिर से बाढ़ से हालात बिगड़ रहे हैं। यहां पर खतरा लगातार बढ़ रहा है। नदियां उफान पर है, जिसके चलते निचले इलाकों को खाली कराया गया है। आलम यह है कि रेलवे ट्रैक तक पानी घुस गया है। कई ट्रेन सेवाएं तो बंद करनी पड़ी है।

लखनऊ में हादसा

सड़क किनारे खड़े ट्रक में घुसी बेकाबू रोडवेज बस, कंडक्टर सहित 14 गंभीर

तेज रफ्तार रोडवेज बस के कारण गुरुवार को लखनऊ में यह हादसा हो गया। तड़के 4:30 बजे के करीब बेकाबू बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। घटना में कंडक्टर समेत 14 लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लखनऊ। लखनऊ के विभूति खंड थाना क्षेत्र के लखनऊ अयोध्या हाईवे पर स्थित सुधा पेट्रोल पंप के पास गुरुवार सुबह 4:30 बजे बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बेकाबू रोडवेज बस सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। तेज रफ्तार होने के कारण बस में सवार कंडक्टर सहित 14 लोग घायल हो गए, जिनमें से छह की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए लोहिया अस्पताल भेजा है।

वहीं बस को हाईवे से किनारे कर पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक बस्ती डिपो की बस नंबर यूपी 78 एफएन 1754 गोरखपुर से कानपुर के लिए निकली थी। बस चालक अनिल कुमार और कंडक्टर विपिन कुमार पाठक बस को गोरखपुर से लेकर कानपुर के लिए निकले।

इन छह के अलावा करीब आठ लोग और चोटिल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही विभूतिखंड थाने के दरोगा अमित कुमार मौके पर पहुंचे और घायलों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया जहां सभी का इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह के मुताबिक हादसे में घायल लोगों के बारे में जानकारी हासिल की जा रही है।

बस में कानपुर और ग्वालियर के लिए सवारियां बैठी थीं। सुबह विभूति खंड इलाके में सोना पेट्रोल पंप के पास करीब 4:30 बजे हाईवे किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में कंडक्टर विपिन कुमार पाठक, सुरेश यादव, राकेश चौहान, विशाल, उमेश कुमार और राजमन गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, हादसे के बाद बस चालक अनिल कुमार फरार हो गया।

इन छह के अलावा करीब आठ लोग और चोटिल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही विभूतिखंड थाने के दरोगा अमित कुमार मौके पर पहुंचे और घायलों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया जहां सभी का इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह के मुताबिक हादसे में घायल लोगों के बारे में जानकारी हासिल की जा रही है। वहीं चालक की तलाश की जा रही है।

गिलानी के निधन पर इमरान खान ने उगला जहर, आधा झुकवाया पाकिस्तान का झंडा

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को फैलाने में जुटे अलगाववादी हुर्रियत नेता सैयद अली शाह गिलानी ने निधन पर भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान जहरीले बयान देने से बाज नहीं आए। इमरान खान ने भारत पर निशाना साधा और गिलानी को 'पाकिस्तानी' बताते हुए देश के झंडे को आधा झुकाने का ऐलान किया। यही नहीं इमरान ने एक दिन के राष्ट्रीय शोक का भी ऐलान किया है। पाकिस्तान के पीएम ने ट्वीट करके कहा कि कश्मीरी नेता सैयद अली शाह गिलानी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। गिलानी जीवनभर अपने लोगों और उनके आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए लड़ते रहे। इमरान ने कहा कि भारत ने उन्हें कैद करके रखा और प्रताड़ति किया। इमरान ने कहा, 'हम पाकिस्तान में उनके संघर्ष को सलाम करते हैं और उनके शब्दों को याद करते हैं- हम पाकिस्तानी हैं और पाकिस्तान हमारा है। पाकिस्तान का झंडा आधा झुका रहेगा और हम एक दिन का आधिकारिक शोक मनाएंगे।'

बाजवा ने भारत पर भी आरोप लगाए-गिलानी के निधन से पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा को भी झटका लगा है। जनरल बाजवा ने कहा कि गिलानी के निधन पर उन्हें दुख है। वह कश्मीर के स्वतंत्रता आंदोलन के अगुआ थे। बाजवा ने भारत पर भी आरोप लगाए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी जहरीले बयान दिए। कुरैशी ने गिलानी को कश्मीरी आंदोलन का पथ प्रदर्शक बताया और कहा कि वह नजरबंदी के बाद भी अंतिम सांस तक संघर्ष करते रहे। भारत विरोधी बयानों के लिए मशहूर रहे गिलानी को पड़ोसी देश पाकिस्तान ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी नवाजा था। इससे पहले गिलानी का 92 साल की उम्र में श्रीनगर में बुधवार रात को निधन हो गया था। कश्मीर में गिलानी के प्रभाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनकी एक आवाज पर कश्मीर बंद हो जाता था।

पर्यावरण कानूनों का उल्लंघन दो पक्षों के बीच विवाद नहीं, आम जनता को प्रभावित करता है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को कहा कि पर्यावरण और वन कानूनों का उल्लंघन केवल दो पक्षों के बीच विवाद नहीं है बल्कि यह आम जनता को भी प्रभावित करता है। न्यायालय ने यह टिप्पणी इस मुद्दे की जांच करते हुए की कि क्या राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के पास मामलों का स्वत- संज्ञान लेने का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पर्यावरण से संबंधित कानूनी अधिकारों के प्रवर्तन सहित पर्यावरण संरक्षण, वनों के संरक्षण और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित मामलों के प्रभावी और शीघ्र निपटारे के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम (एनजीटी), 2010 के तहत अधिकरण की स्थापना की गई है। जस्टिस ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, निष्पक्ष होने के लिए अधिकरण पर्यावरणीय मुद्दों से परे किसी भी और क्षेत्र में नहीं जाता है। पीठ में जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस सी टी रविकुमार भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि अधिकरण पर्यावरण से संबंधित विशेष उद्देश्य और मुकदमे के लिए बनाया गया एक मंच है। शीर्ष अदालत ने मामले में मुकुल रोहतगी, दुष्यंत दवे, ए एन एस नादकर्णी, कृष्णन वेणुगोपाल और वी गिरि सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं की दलीलें सुनीं। रोहतगी ने कहा कि मुद्दा यह है कि क्या अधिकरण के पास स्वत- संज्ञान लेने का अधिकार है या नहीं। उन्होंने

कहा, एनजीटी के पास स्वत- संज्ञान लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि उसके पास वैधानिक नियम से परे जाने का कोई अधिकार नहीं है। पीठ ने कहा कि एनजीटी अधिनियम कहता है कि अधिकरण के पास पर्यावरण से संबंधित मुद्दों से निपटने का अधिकार क्षेत्र है। पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें एनजीटी के स्वत- संज्ञान लेने के अधिकार से संबंधित मुद्दा उठाया गया था।

दूसरी पत्नी को मुआवजा-भत्ता देने पर दहेज प्रताड़ना की सजा माफ

एससी बोला– चरित्र में सुधार करना है उद्देश्य

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी दूसरी पत्नी और बच्चों को मुआवजा देने के लिए तैयार होने के बाद धारा 498 ए (दहेज प्रताड़ना) के तहत दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को दी गई सजा को कम कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने कहा कि किसी भी आपराधिक न्यायशास्त्र का उद्देश्य चरित्र में सुधार करना है। जमानत के बाद व्यक्ति पीड़ित की देखभाल करेगा। यदि वह पत्नी की देखभाल भत्ता और एकमुश्त मुआवजा दे रहा है तो हम उसे इसकी इजाजत देते हैं। वहीं पत्नी भी तीन लाख रुपये का मुआवजा लेने के लिए तैयार है। कोर्ट ने आदेश दिया कि झारखंड में पाकुड़ ट्रायल कोर्ट से छह माह के अंदर मुआवजा देने के बाद उसे उसके जेल में रहने की अवधि को सजा मानकर रिहा कर दिया जाए। कोर्ट ने यह मुआवजा सीआरपीसी की धारा 357 के तहत दिलवाया। कोर्ट ने कहा कि यदि वह

मुआवजा और भत्ता नहीं देता है तो वह बची हुई सजा काटेगा। कोर्ट ने कहा कि दो लाख रुपये पत्नी को और 50-50 हजार रुपये बच्चों के नाम एफडी करने का आदेश दिया है जो उन्हें 21 वर्ष का होने पर भुगतान की जाएगी। इस मामले में आरोपी की दूसरी पत्नी हीना बीबी ने आईपीसी की धारा 498ए के तहत मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना व दहेज की मांग का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। ट्रायल कोर्ट ने समीउल को दोषी ठहराया और 10,000 रुपये के जुर्माने के साथ तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अपील कोर्ट ने उसकी अपील खारिज कर दी और बाद में उसकी पुनरीक्षण याचिका भी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। इसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट आया, कोर्ट के समक्ष उसने कहा कि वह पत्नी और बच्चों को तीन लाख रुपये का मुआवजा देने को तैयार है लेकिन धन जुटाने के लिए लगभग छह महीने का समय चाहिए।

एम्स डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया बोले-

बच्चों के विकास के लिए स्कूल खोलना जरूरी, टीका लगाने में नौ महीने का लगेगा समय

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामले फिर से तेज हो गए हैं। इसी महीने तीसरी लहर आने की आशंका है। इधर राष्ट्रीय राजधानी में 1 सितंबर से बच्चों के लिए स्कूल खोल दिए गए हैं, लेकिन बच्चों के लिए देश में अभी तक टीका उपलब्ध नहीं है। सरकार के इस फैसले ने विशेषज्ञों, छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बहस शुरू कर दी है कि बिना वैक्सीनेट बच्चे स्कूल कैसे जा सकते हैं। इस सबके बीच एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा कि भारत में सभी बच्चों को टीकाकरण करने में नौ महीने तक का समय लगेगा, ऐसे में लंबे समय तक बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं किया जा सकता है। बच्चों के विकास के लिए स्कूल खुलना जरूरी है। क्योंकि बच्चों के लिए शारीरिक संपर्क अहम है। स्कूलों को खोलने पर रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि उन जगहों पर स्कूल खुल सकते हैं जहां पर

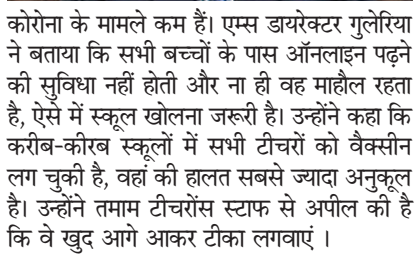

कोरोना के मामले कम हैं। एम्स डायरेक्टर गुलेरिया ने बताया कि सभी बच्चों के पास ऑनलाइन पढ़ने की सुविधा नहीं होती और ना ही वह माहौल रहता है, ऐसे में स्कूल खोलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि करीब-कीरब स्कूलों में सभी टीचरों को वैक्सीन लग चुकी है, वहां की हालत सबसे ज्यादा अनुकूल है। उन्होंने तमाम टीचरोंस स्टाफ से अपील की है कि वे खुद आगे आकर टीका लगवाएं ।

क्या अपराधी कर सकते हैं अंगदान ? केरल हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि 1994 के मानव अंग एवं उत्तक प्रतिरोपण अधिनियम को सांप्रदायिक सौहार्द एवं धर्मनिरपेक्षता का पथप्रदर्शक बनने दें ताकि विभिन्न धर्मों एवं आपराधिक पृष्ठभूमि के लोग अलग जातियों, नस्ल, धर्म या पूर्व में अपराधी रहे जरूरतमंद लोगों को अंगदान कर सकें। मानव शरीर में अपराधी गुर्दा या अपराधी यकृत या अपराधी हृदय जैसा कोई अंग नहीं होता। कोर्ट ने कहा कि किसी गैर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के अंग और ऐसे व्यक्ति जिसका कोई आपराधिक इतिहास रहा है, उसके अंग में कोई अंतर नहीं होता है। हम सभी की रगों में इंसानी खून दौड़ रहा है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी के शव को दफना दिया जाता है तो

अगर समिति के इस रुख को अनुमति दी जाती है तो मुझे अंदेशा है कि भविष्य में प्रतिवादी अंगदान की अनुमति के लिए इस तरह के आवेदनों को इस आधार पर अस्वीकार कर देगा कि दाता एक हत्यारा, चोर, बलात्कारी, या मामूली आपराधिक अपराधों में शामिल है।

उसका नाश हो जाएगा या अगर उसका दाह संस्कार किया जाता है तो वह राख बन जाएगा। हालांकि अगर उनके अंगदान कर दिए जाएं तो इससे कई लोगों को जीवनदान और खुशियां मिलेंगी। न्यामूर्ति पी वी कुन्हीकृष्णन ने मानव अंगों के प्रतिरोपण के लिए एर्णाकुलम जिला स्तरीय प्राधिकरण के फैसले को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। प्राधिकरण ने व्यक्ति के आपराधिक पृष्ठभूमि के आधार पर उसके अंगदान के आवेदन को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि 1994 के अधिनियम या इसके तहत बनाए गए मानव अंगों और ऊतकों के प्रतिरोपण नियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार किसी दाता का पूर्व में आपराधिक पृष्ठभूमि का होना समिति द्वारा विचार किए जाने का कोई मानदंड नहीं है।

न्यायमूर्ति ने कहा कि अगर समिति के इस रुख को अनुमति दी जाती है तो मुझे अंदेशा है कि भविष्य में प्रतिवादी अंगदान की अनुमति के लिए इस तरह के आवेदनों को इस आधार पर अस्वीकार कर देगा कि दाता एक हत्यारा, चोर, बलात्कारी, या मामूली आपराधिक अपराधों में शामिल है। मुझे आशा है कि वे दाता के हिंदू, ईसाई, मुस्लिम, सिख धर्म या निचली जाति का व्यक्ति होने के आधार पर आवेदनों को खारिज नहीं करेंगे।

रेलवे ने दी राहत

आज से एमएसटी पास से यात्रा की अनुमति, सर्कुलर जारी

नई दिल्ली। रेलवे ने मासिक पास सेवा को शुरू करने जा रहा है। रेलवे की तरफ से चलाई जा रही ट्रेनों में कोविड की वजह से अमान्य कर दिया था। जिसे फिर से शुरू किया जा रहा है। हालांकि लंबे समय से पास का रिन्यूअल नहीं होने की वजह से पुराना पास अमान्य हो गया है। लिहाजा यात्रियों को इस पास की सुविधा के लिए फिर से पास बनवाना होगा क्योंकि यह पास तीन महीने के लिए ही मान्य होता है। यात्री इस पास को ऑनलाइन भी बनवा सकेंगे।

होगी। इस पास के माध्यम से दिल्ली आसपास के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि उत्तर रेलवे ने जारी सर्कुलर में कहा है कि रेल यात्री चिन्हित ट्रेन में ही इस पास का इस्तेमाल कर सकेंगे। फिलहाल कौन सी चिन्हित ट्रेन होगी इसका खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन यह माना जा रहा है कि डेमू, मेमू, मेल एक्सप्रेस, पैसेंजर ट्रेन में यात्रा की अनुमति होगी। कोविड की वजह से चलने वाली लंबी दूरी की स्पेशल ट्रेन में यात्रा की मंजूरी नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि अभी जितनी ट्रेनें

नहीं है कि स्टेशन पहुंचे और लोकल टिकट लेकर यात्रा कर लिए। ऐसे में बहुत सारे लोगों को परेशानी हो रही है। बुकिंग और अन्य चार्ज के नाम पर यात्रा टिकट के अधिक पैसे भी लिए जा रहे है। क्योंकि कोविड की वजह से स्पेशल ट्रेन चल रही है। पैसेंजर की ट्रेन की जगह स्पेशल मेल/एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जा रही है। इस वजह से आम यात्रियों को परेशानी हो रही है। खासकर डेली पैसेंजर्स यानी रोजाना यात्रा करनेवाले यात्रियों को परेशानी हो रही है। अब मासिक सीजनल टिकट (एमएसटी) के

हो जाएगा। कोरोना काल में तमाम रियायती सुविधाओं के साथ मंथली पास सुविधा भी बंद कर दी गई है। राष्ट्रीय स्तर पर संचालित मासिक पास सुविधा पिछले डेढ़ साल से स्थगित है। रेल यात्रा करने वाले अप-डाउनर को मासिक पास की सुविधा शुक्रवार से बहाल की जा रही है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क यात्री दीपक कुमार ने बताया कि एमएसटी पास पहले की तरह ही लागू होगा। ना तो पास बनाने के लिए अतिरिक्त चार्ज वसूले जाएंगे और ना ही दूरी घटाई जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हिरासत में मंत्री

मर्यादाएं जब टूटती हैं, तब वे अशोभनीय दृश्य ही रचती हैं। दुर्योग से भारतीय राजनीति में ऐसे दृश्य अब बार-बार उभरने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी भारतीय राजनीति के क्षरण का ताजा उदाहरण है। कल महाराष्ट्र में रत्नागिरी पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। आरोप है कि अपनी जन-आशीर्वाद यात्रा के दौरान उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बारे में अशालीन टिप्पणी की थी, जिसके विरुद्ध शिव सैनिकों में तीखी प्रतिक्रिया हुई और राणे के खिलाफ कई थानों में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई। रत्नागिरी कोर्ट से अग्रिम जमानत की याचिका खारिज होने और बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा त्वरित सुनवाई से इनकार के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही राज्य में कई जगहों पर शिव सेना व भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए और एक तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। विडंबना यह है कि चंद वर्ष पहले तक यही कार्यकर्ता एक-दूसरे के कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव लड़ रहे थे और उनके नेता सत्ता में साथ-साथ भागीदार थे। कुछ ही माह पूर्व मई में कोलकाता में ऐसे ही दृश्य देखने को मिले थे, जब कुछ नवनियुक्त मंत्रियों को सीबीआई ने नारदा स्टिंग ऑपरेशन मामले में हिरासत में लिया था और तब तृणमूल कांग्रेस व भाजपा के नेता-कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए थे। उस समय भी राजनीतिक बदले के आरोपों-प्रत्यारोपों ने ऐसा कटु माहौल बनाया, जिससे जांच एजेंसियों की प्रतिष्ठा तो धूमिल हुई ही, आज तक केंद्र व पश्चिम बंगाल सरकार के रिश्ते सहज नहीं हुए हैं, संघवाद की आदर्श कल्पना से तो खैर कोसों दूर हैं। सियासी प्रतिद्वंद्वियों से राजनीतिक स्तर पर निपटने के बजाय उन्हें कानूनी रूप से घेरने का चलन नया नहीं है, और इसके लिए तंत्र का बेजा इस्तेमाल भी दशकों से होता रहा है, पर हमारे राजनेता एक-दूसरे के खिलाफ यूं अभद्र भाषा का इस्तेमाल सार्वजनिक रूप से नहीं करते थे। समाज इसे अच्छी नजरों से नहीं देखता था। शायद इसीलिए तीखे राजनीतिक विरोध के बावजूद उनके निजी रिश्ते बने रहते और इस कारण संसदीय प्रक्रियाओं का निबाह भी आसानी से हो जाता था, बल्कि सामाजिक स्तर पर राजनीतिक खेमेबाजी की कटुता भी नहीं आ पाती थी। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति की यह खूबी तेजी से खत्म हुई है और इसके लिए हमारा पूरा राजनीतिक वर्ग जिम्मेदार है। नारायण राणे शिव सेना, कांग्रेस और भाजपा, सभी पार्टियों में रह चुके हैं। ऐसे में, उनसे अधिक परिपक्वता की अपेक्षा की जाती है। फिर वह स्वयं एक सांविधानिक पद पर हैं, अतः दूसरे सांविधानिक पद की गरिमा का उन्हें हर हाल में बचाव करना चाहिए। सवाल यह भी है कि बयानों के आधार पर यदि मुकदमे दर्ज किए जाने लगे और गिरफ्तारियां होने लगीं, तो कितने सारे विधायक, सांसद और मंत्री जेल में होंगे? निस्संदेह, एक आदर्श संघीय ढांचे के लिए जरूरी है कि पार्टी नेतृत्व अपने-अपने बड़बोले नेताओं पर नजर रखें। विडंबना यह है कि सभी दल ऐसे तत्वों को पुरस्कृत करने की भूमिका अपनाने लगे हैं। ऐसे में, उद्दंड कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता जाता है, जो देश के राजनीतिक परिदृश्य के लिए संकट की बात है। राजनीतिक बदले व प्रतिशोध की कार्रवाइयों से देश का संघीय ढांचा कमजोर हो रहा है, यह बात हमारी राजनीतिक पार्टियां जितनी जल्दी समझ लें, उतना ही अच्छा होगा।

परिसंपत्ति मुद्रीकरण के बारे में पूरा सच जानना जरूरी है

- हरदीप एस पुरी

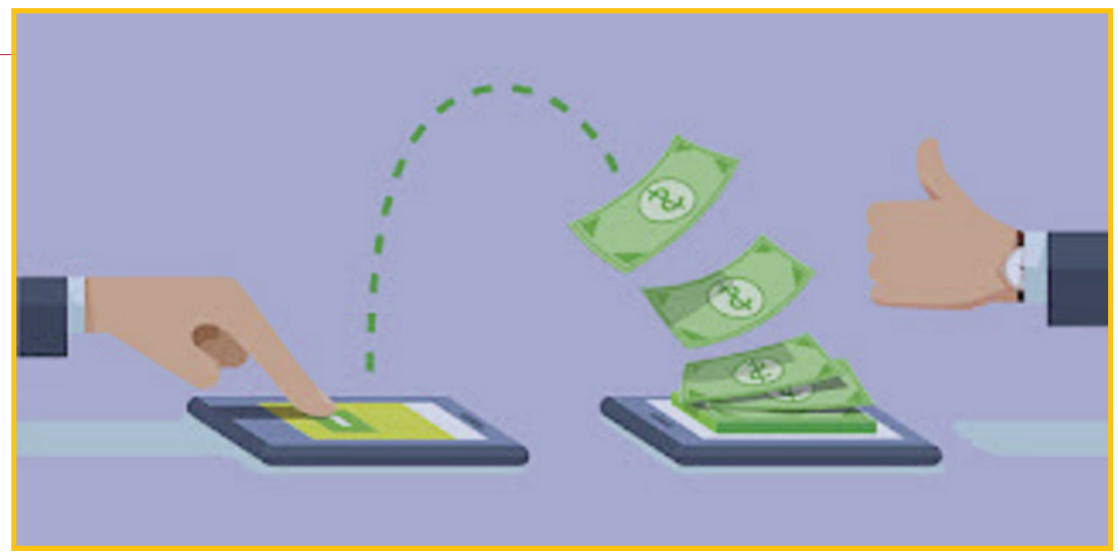

''जब-तक सच घर से बाहर निकलता है, तब-तक झूठ आधी दुनिया घूम लेता है।'' लोगों में चिंता और भय उत्पन्न करने के लिए किस तरह झूठ, अर्धसत्य एवं भ्रामक सूचनाओं का इस्तेमाल किया जाता है, उसे यह प्रसिद्ध उद्धरण अक्षरशः बयां करता है। हमारे प्रमुख विपक्षी दल अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की अपनी हताशा में अक्सर इन गलत तौर-तरीकों का सहारा लेते रहते हैं। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम का कहना है, 'बड़ा झूठ बेनकाब हो गया है।' वाकई, ऐसा हो गया है। लेकिन स्वयं उनका ही झूठ बेनकाब हुआ है। यही नहीं, इससे उनकी अपनी पार्टी का यह पाखंड भी उजागर हो गया है- ऐसा आखिरकार कैसे हो सकता है कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो जो देश के लिए अच्छा था, वही देश के लिए एकदम से बुरा हो गया है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व में सरकार है। उनका संपूर्ण कथन पूरी तरह से झूठे दावों और अर्धसत्य से भरा पड़ा है। यह बड़े अफसोस की बात है कि एक वरिष्ठ सांसद और एक पूर्व केंद्रीय मंत्री को अपना राजनीतिक हित साधने के लिए ऐसा करना पड़ता है। हालांकि, इसमें वे पूरी तरह से विफल रहे हैं। मोदी सरकार ने महज एक हस्ताक्षर करके भारत की सार्वजनिक परिसंपत्तियों को शून्य या बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया है, चिदंबरम के इस दावे से यही प्रतीत होता है कि वह या तो यह समझ ही नहीं पाए हैं कि राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत आखिरकार क्या किया जाना है या वह सबकुछ समझ तो रहे हैं, लेकिन पूरी सच्चाई को तोड़-मरोड़ कर पेश करना चाहते हैं। वह जानबूझकर रणनीतिक विनिवेश को परिसंपत्ति मुद्रीकरण के साथ आपस में मिलाकर भ्रमित कर रहे हैं। कटु सच्चाई यही है कि एनएमपी की कोई भी परिसंपत्ति बेची नहीं जाएगी। इन परिसंपत्तियों को उन शर्तों पर एक खुली और पारदर्शी बोली प्रक्रिया के जरिए निजी भागीदारों को पट्टे या लीज पर दिया जाएगा, जिनसे जनता के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ और भी बहुत कुछ हासिल होगा। इसकी पूरी प्रक्रिया देश के कानून और अदालतों की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। निजी भागीदार संबंधित परिसंपत्तियों का संचालन एवं रखरखाव करेगा और पट्टे या लीज की अवधि पूरी हो जाने पर उन्हें सरकार को वापस कर देगा। पूर्व वित्त मंत्री उन अभिनव तरीकों के उपयोग के बारे में स्वयं को अनभिज्ञ दिखा रहे हैं जिनका इस्तेमाल सरकार अपनी परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण में करेगी। इसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (इनविट) और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट) का उपयोग किया जाएगा, जो म्यूचुअल फंड की तरह विभिन्न निवेश का संयोजन (पूलिंग) करेंगे जिसे अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और रियल एस्टेट में लगाया जाएगा। इससे भारत के लोग और प्रमुख वित्तीय निवेशक हमारी राष्ट्रीय परिसंपत्तियों में निवेश कर सकेंगे। कुछ इनविट और रीट पहले से ही शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हैं। पूर्व वित्त मंत्री ने मखौल उड़ाने के अंदाज में परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण से हर साल प्राप्त होने वाले जिस 1.5 लाख करोड़ रुपये को 'किराया' कहा है उसकी बदौलत देश में नई अवसंरचना के निर्माण में नए सिरे से कहीं ज्यादा सरकारी निवेश करने का मार्ग प्रशस्त होगा। परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण का असली उद्देश्य यही है। दुर्भाग्यवश, 2जी, कोलगेट, सीडब्ल्यूजी और आदर्श जैसे घोटालों के कारण संप्रग सरकार एक अलग तरह के मुद्रीकरण पर फोकस करती रही थी। इस देश के ईमानदार करदाताओं पर और अधिक बोझ डाले बिना ही भारत की अवसंरचना को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सरकार को वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है। पिछले सात वर्षों में देशभर में बनाए गए राजमार्गों की कुल लंबाई विगत 70 वर्षों में बनाए गए राजमार्गों की समग्र लंबाई से डेढ़ गुना अधिक है। इसी तरह पिछले सात वर्षों में शहरी क्षेत्र में किया गया कुल निवेश 2004-2014 के बीच के 10 वर्षों में किए गए कुल निवेश से सात गुना अधिक है। विडंबना यह है कि श्री चिदंबरम ने इसे गलत साबित करने के क्रम में संप्रग सरकार द्वारा उठाए गए उन छोटे-छोटे प्रगतिशील कदमों को भी नकार दिया है जो सार्वजनिक परिसंपत्ति के मुद्रीकरण के लिए उठाए गए थे। दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों का निजीकरण संप्रग सरकार के कार्यकाल में हुआ। उस दौरान श्री चिदंबरम वित्त मंत्री थे। इतना ही नहीं वह इस मामले में निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार मंत्री समूह के अध्यक्ष भी थे। श्री चिदंबरम लिखते हैं कि रेलवे एक रणनीतिक क्षेत्र है और इसे निजी भागीदारी के लिए खुला नहीं होना चाहिए। जब 2008 में संप्रग सरकार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन यानी पात्रता आवेदन आमंत्रित किया था तो उन्होंने विरोध क्यों नहीं किया था? संप्रग के बाद भी कई राज्यों में कांग्रेस की सरकार ने सार्वजनिक परिसंपत्ति के मुद्रीकरण के लिए नीतिगत निर्णय लिए हैं। फरवरी 2020 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे का मुद्रीकरण 8,262 करोड़ रुपये में किया गया। उस दौरान श्री चिदंबरम और उनकी पार्टी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को ऐसा करने से रोक सकते थे। इसके बाद पूर्व वित्त मंत्री ने कुछ क्षेत्रों में एकाधिकार पैदा होने की आशंका जताते हुए एक हौवा खड़ा किया है। उन्होंने गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं के लिए अमेरिका द्वारा कुछ टेक कंपनियों पर नकेल कसने, दक्षिण कोरिया द्वारा चाएबोल्स यानी बड़े कारोबारी घरानों पर सख्ती और चीन द्वारा अपने कुछ इंटरनेट दिग्गजों के परिशोधन का हवाला दिया है। भारत में भी ऐसे संस्थान हैं जो गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं से संबंधित मुद्दों को निपटाते हैं। यहां क्षेत्र विशेष के लिए नियामक हैं। यहां भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग है। उपभोक्ता न्यायालय हैं। ये सभी भारत सरकार से बिल्कुल स्वतंत्र संस्थान हैं और इनके पास किसी भी गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथा को रोकने के लिए पर्याप्त अधिकार हैं। सरकार बाजार में प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है और वह प्रक्रियाओं को इस तरह से तैयार करेगी जिससे कि बाजार की ताकतों के एकजुट होने की संभावना कम से कम रहे। रेलवे ट्रैक जैसे कुछ क्षेत्रों में स्वाभाविक एकाधिकार है और इसलिए वहां किसी भी परिसंपत्ति का मुद्रीकरण नहीं होगा। पूर्व वित्त मंत्री ने रोजगार जैसे मामलों में भी हौवा खड़ा किया है। निजीकरण के मामलों का वाजपेयी सरकार द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि परिचालन का प्रबंधन कहीं अधिक कुशलता से किए जाने पर वास्तव में रोजगार की संभावनाएं बढ़ती हैं। सरकार जब प्राप्त राजस्व का नए सिरे से निवेश करेगी तो मुद्रीकरण वाली परिसंपत्तियों में नौकरियां बढ़ने के अलावा कई नए रोजगार भी सृजित होंगे। इसका एक सकारात्मक मल्टीप्लायर इफेक्ट होगा यानी प्रभाव कई गुना बढ़ जाएगा। वित्त मंत्री रह चुके किसी व्यक्ति को इसकी सराहना करनी चाहिए। अंत में, श्री चिदंबरम ने सरकार पर एनएमपी के बारे में गोपनीयता का आरोप लगाया है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। परिसंपत्ति मुद्रीकरण की घोषणा कई महीने पहले फरवरी 2021 में केंद्रीय बजट में की गई थी। उसके लिए वेबिनार और राष्ट्रीय स्तर के विचार-विमर्श के कई दौर आयोजित किए गए। पिछले सप्ताह जो घोषणा की गई वह उसकी एक रूपरेखा थी। इससे पहले सरकार ने 2016 में एक रणनीतिक विनिवेश नीति की घोषणा की थी। हमारी सरकार दूरदर्शी एवं जन-समर्थक सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। हम दृढ़ विश्वास के साथ काम कर रहे हैं। छल और गोपनीयता कांग्रेस शैली के दांव-पेंच रहे हैं। यह सरकार पारदर्शिता और राष्ट्रहित से कोई समझौता नहीं करती है। (लेखक, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी कार्यमंत्री हैं।)

'आज के ट्वीट

विकास की धारा

पिछली सरकार में विकास को जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद खा जाता था। आज विकास की धारा हर गरीब तक प्रवाहित हो रही है। जनता द्वारा जब अच्छी सरकारें चुनी जाती हैं तो शासन की योजनाओं का लाभ हर गरीब, हर गांव को बिना किसी भेदभाव के प्राप्त होता है। -- मु. योगी आदित्यनाथ

आलपिनों का उपयोग करें मगर संभल कर

प्रकाशनार्थ - डॉ. दीपक आचार्य

बात है बहुत छोटी सी, किन्तु है सौ टके सही। अपने दफ्तर/घर/दुकान/प्रतिष्ठान में आने वाले कागजों पर लगी आलपिनों का उपयोग जहां तक संभव हो न करें। कोई कागज आपके पास आता है और उसे अपने घर/आफिस में ही रखे रखना हो तो उस स्थिति में उनमें लोहे की पिने, आलपिनें या यू पिनों को हटा कर कूड़ादान के हवाले कर दें और उनकी बजाय अपने दफ्तर/घर की आलपिन या पिनें लगाएं। बाहर से अपने पास आने वाली आलपिनों या दूसरी पिनों को अपने पास रखे रहने से शनि दूषित होता है और इससे कामकाज में बाधाएं आती हैं। बाहर से आने वाली आलपिनें शनि का दुष्प्रभाव पैदा करती हैं। जंग लगी आलपिनों से खतरा अधिक बढ़ जाता है। इन बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए जरूरी है कि बाहर से अपने पास आने वाले कागजों पर लगी पुरानी पिनों को अपने से दूर कर दें। बाहर सें आने वाले कागजों पर लगी ये पिन्स महीन कीटाणुओं(बैक्टीरिया) से संक्रमित और गंदगी से दूषित होती हैं तथा इनके स्पर्श से अपनी सेहत को भी नुकसान हो सकता है। अक्सर लोग आलपिनों से अपने कान और दाँत आदि साफ करते हैं और फिर उन्हीं आलपिनों का कागजों को नत्थी करने में उपयोग कर लिया करते हैं। और गंदी आलपिन लगे ये कागज एक से दूसरी जगह पहुंचते रहते हैं। यह स्थिति संक्रमण को बढ़ावा देती है। यों भी यह इंसान की फितरत में है कि वह कभी बिना कुछ किए नहीं रह सकता। किसी दफ्तर या प्रतिष्ठान में बैठा हुआ भी फुरसत के क्षण में चाबी हिलाएगा, कागजों को इधर-उधर करेगा, टेबल पर पड़ी सामग्री, पेपरवेट और पेन-पेन्सिल को हिलाता-डुलाता रहेगा। आलपिन को हाथ में लेकर कुछ न कुछ कुरेदता रहेगा, दाँतों में लगाएगा या फिर कान में घुसा कर मैल निकालने का जतन करता रहेगा। इसी प्रकार यदि जमीन-जायदाद या महत्वपूर्ण कागजों से संबंधित कोई काम नहीं हो रहे हों तो उनमें लगी लोहे ही पुरानी आलपिनों को निकाल दें, अपनी कमाई से खरीदी हुई नई आलपिनें लगा दें और इन दस्तावेजों को एक बार सूरज को दिखा दें। इससे काम में गति आ जाएगी। एक बार आजमा कर देखियें।

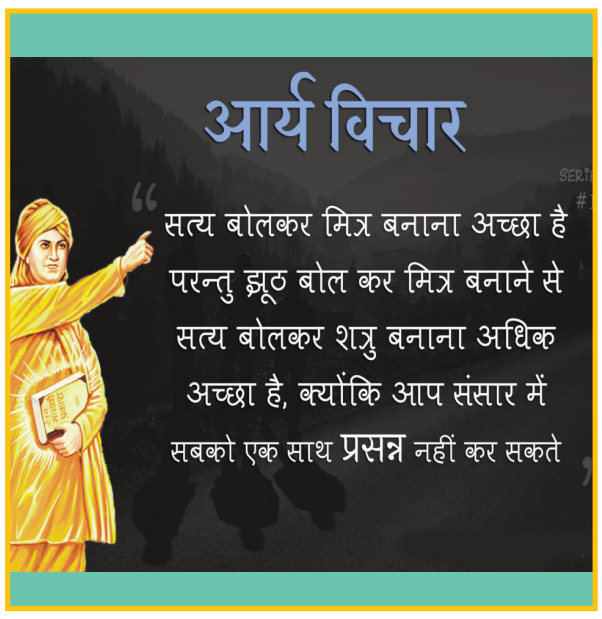

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

चिंता जनक है केरल का तालिबान कनेक्शन

- रमेश शर्मा

तालिबान के समर्थन को लेकर यूँ तो देश भर के विभिन्न प्रांतों से समाचार आये हैं, कहीं कहीं कुछ गिरफ्तारियों की भी खबर आई पर केरल से आने वाली तीनों खबरें बहुत गंभीर हैं। ये तीनों खबरें केवल चौंकाने वाली भर नहीं हैं बल्कि पूरे देश को सतर्क करने वाली हैं। अर्ध निद्रा से जगाने वालीं हैं कि स्वतंत्र भारत में किस तरह तालिबान मानसिकता गहरी हो रही है, अपना फैलाव कर रही है, जड़े मजबूत कर रही है। दुनियां के लिये भले तालिबान 27 साल पुराना नाम हो पर यह मानसिकता नयी नहीं है, सैकड़ों साल पुरानी है। भारत इसे शताब्दियों से झेल रहा है। देश की धरती का कण कण रक्त रंजित है। लाखों प्राणों की आहुतियां हुईं हैं। भारत का विभाजन भी हुआ पर भारत इस क्रूरता से मुक्त न हो पाया। यह वही केरल प्रांत है जहां भारत में ही भारतत्व को समाप्त करने का अभियान चल रहा है। यदि हम पुराने संदर्भ को छोड़ भी दें तब भी पिछले सौ सालों का तो इतिहास साक्षी है, एक एक घटना का विवरण है कि कैसे वहां के लोगों ने इस तालिबानी मानसिकता का क्रूर आतंक झेला है। समय बदला, लोग बदले, विषय बदले लेकिन मानसिकता की क्रूरता कभी न बदली। पर आश्चर्य इन तीनों समाचारों पर देश में जो प्रतिक्रिया आनी चाहिए थी वह देखने सुनने को नहीं मिली। पहला समाचार इंडियन मुस्लिम लीग के विधायक एम.के. मुनीर को धमकी देने का है। विधायक ने अपने फेसबुक अकाउन्ट पर अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम पर तालिबान का समर्थन नहीं किया था। इस पर विधायक को धमकी दी गयी और सोशल मीडिया से अपनी टिप्पणी हटाने के लिए कहा गया। दूसरी खबर आई कि केरल के 17 नौजवान इन दिनों अफगानिस्तान में तालिबान के लिए काम कर रहे हैं। इनमें 14 तो वे लोग हैं जो आईएस आईएस के लिये काम करते हैं और इस समय तालिबान के साथ हैं। इन्हें अफगानिस्तान की पिछली सरकार ने बंदी भी बना लिया था लेकिन अब तालिबान ने उन्हें जेल से रिहा कर दिया है। मीडिया में यह खबरें भी आईं कि 26 अगस्त को काबुल विमानतल के पास जो विस्फोट हुआ था उसके पीछे केरल के इन लोगों का भी हाथ रहा है। यह भी समाचार आया कि विस्फोट के प्रतिशोध के लिये अमेरिका ने जो ड्रोन हमला किया उस हमले में मरने वाला एक आतंकवादी केरल का रहने वाला है। तीसरा समाचार इससे भी अधिक गंभीर है। यह समाचार अमीषा नामक उस लड़की का है जो केरल में मेडिकल की छात्रा रही है। पहले लव जिहाद की शिकार हुई और उसका धर्मान्तरण कराया गया और अब उसे अफगानिस्तान ले जाया गया है। जहां वह अब तालिबान के लिये काम कर रही है। इस लड़की की मां विन्दु संपत ने भारत सरकार से अपनी बेटी का पता लगाने की याचना की है। हालांकि इस लड़की का मामला पिछले लगभग चार वर्षों से विभिन्न अदालतों में आया है। उसके पिता अपनी बेटी को वापस पाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसमें नया यह है कि इस लड़की को अब फिदायीन बनाकर अफगानिस्तान ले जाया गया है। हालांकि इन समाचारों के प्रति सरकार की चुप्पी रही है। न तो इनका समर्थन किया गया और न ही खंडन। लेकिन मीडिया में यहां-वहां लगातार आ रहा है। हालांकि इन तीनों समाचारों के बाद जितनी गंभीरता भारतीय मीडिया, राजनीति और स्थानीय प्रशासन में आनी चाहिए थी उसका अभाव ही रहा। कुछ संचार माध्यमों में तो ये समाचार थे ही नहीं और जिनमें आये वे बहुत कम स्थान बना पाये। इसका कारण संभवतः केरल में तीन तीन वैचारिक शक्तियों की एक युति जैसी बन गयी है। ये तीन शक्तियां हैं वाम पंथी विचार, मिशनरी मानसिकता और तालिबानी मानसिकता। केरल में वाम पंथी सरकार है और उसे बाकी दोनों विचारकों का समर्थन है। संभवतः इसीलिये सरकार का इन समाचारों के प्रति नरम रुख रहा और इनसे प्रभावित मीडिया का भी। सामान्यतः वामपंथी स्वयं को धार्मिक कट्टरवाद से अलग होने का दावा करते हैं लेकिन उनकी यह झलक केवल सनातनियों के मामले में ही दिखती है। शेष के प्रति उनका रुख सदैव समर्थन जैसा ही रहा है। अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम में चीन का रुख तालिबान के पक्ष में रहा और भारत के तमाम वामपंथी विचारकों ने बाकायदा ऐसी टिप्पणियां की हैं कि तालिबान बदल रहा है। जबकि हकीकत यह है कि मानवता के पक्ष में तालिबान में कोई बदलाव नहीं आया है। वह आज भी आतंकवाद का ही दूसरा पहलू है। जिस प्रकार उसने हत्या करके लाश को हेलीकॉप्टर में लटका कर पूरे काबुल में घुमाया इससे उसकी मानसिकता स्पष्ट हो जाती है फिर भी वामपंथी खेमे में चुप्पी है। यह चुप्पी ठीक वैसी ही है जैसे सौ साल पहले केरल के मालाबार में हुई क्रूरतम हिंसा के प्रति आंखे मूंदी गयीं थीं। इतिहास में यह हिंसा मोप्ला विद्रोह के नाम से दर्ज है। सबसे बड़ा प्रश्न तो यही कि वह हिंसा मोप्लाओं द्वारा समाज के दमन, सामूहिक हत्याओं, सामूहिक बलात्कार और सामूहिक धर्मांतरण की थी। यह सीधा सीधा आतंकवाद है लेकिन इसे विद्रोह लिखा गया। तत्कालीन राजनेताओं में से किसी ने इस पर खुलकर नहीं बोला। वह उस समय के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बालकृष्ण शिवराम मुंजे ने क्षेत्र की यात्रा की, उन्होंने सरकार को पत्र लिखे, अन्य लोगों का ध्यान खींचा तब कुछ संगठन वहां पहुंचे और प्रशासन ने कुछ गिरफ्तारियां कीं। सावरकर जी ने इस पर उपन्यास लिखकर देश को जाग्रत किया फिर भी जिन नगरों में स्त्रियों का हरण हुआ, सामासिक धर्मान्तरण हुआ उनमें से किसी को राहत न मिल सकी। आज भी केरल से जिस प्रकार के समाचार आ रहे हैं उससे स्पष्ट लगता है कि केरल में कुछ नहीं बदला है। सौ साल पहले जो वातावरण था वह और गहरा हुआ है। तब तो लोग यहीं हिंसा कर रहे थे लेकिन अब तो यहां के लोग ऐसी हिंसक मानसिकता लेकर दुनियां के दूसरे भागों में भी जा रहै हैं। तालिबान के लिए काम करने वाले 17 लोगों के आंकड़ें आ गए हैं लेकिन अब भी और कितने लोग ऐसा कर रहे हैं यह सामने आना बाकि है। आज इनके नाम भी इसलिये सामने आ पाये कि इनके परिवार वालों को चिंता हुई और उन्होंने आवाज उठाई। उस लड़की का नाम भी तब सामने आया जब उसके परिवार ने लड़ाई लड़ी। अन्यथा कितने लोग होंगे, कितने परिवार होंगे जो चुप हैं। वह चुप्पी सहमति की भी हो सकती है और भय की भी। लेकिन जिस प्रकार केरल के सामान्य जीवन में असहिष्णुता बढ़ रही है, क्रूरता बढ़ रही है यह बात पूरे देश के लिए चिंताजनक है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे मजबूत होकर 73.06 रुपये पर बंद

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार में निरंतर तेजी के रुख के बावजूद अंतर बैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे बढ़कर 73.06 (अस्थायी) रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 73.04 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 72.96 से 73.13 रुपये प्रति डालर के दायरे में घूमने के बाद अंत में पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव की तुलना में मात्र दो पैसे मजबूत होकर 73.06 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया 73.08 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 514.33 अंक की तेजी दर्शाता 57,852.54 अंक के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत घटकर 92.39 रह गया। वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल का वायदा भाव 0.32 प्रतिशत बढ़कर 71.82 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने बुधवार को 666.66 करोड़ रुपये के शेयरों की लिवाली की।

एप्पल ने नेटफ्लिक्स, स्पॉटिफाई जैसे एप्स के लिए भुगतान नियमों में किया बदलाव

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल ने घोषणा की है कि जापान फेयर ट्रेड कमिशन (जेएफटीसी) अपने एप स्टोर की जांच को बंद करने के लिए सहमत हो गया है, ताकि रीडर एप नेटफ्लिक्स, स्पॉटिफाई और अमेजॅन के किंडल एप के डेवलपर्स को सीधे अपने ग्राहकों को उनके साथ लिंक करने की अनुमति दी जा सके। खुद की साइन-अप वेबसाइट, जहां वे एप्पल की इन-ऐप भुगतान प्रणाली को ड्रॉप कर सकते हैं। जबकि जेएफटीसी के साथ समझौता किया गया था, ऐप्पल इस बदलाव को स्टोर पर सभी रीडर ऐप पर विश्व स्तर पर लागू करेगा। रीडर ऐप्स डिजिटल पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, पुस्तकों, ऑडियो, संगीत और वीडियो के लिए पहले खरीदी गई कंटेंट या कंटेंट सब्सक्रिप्शन प्रदान करते हैं। ऐप्पल ने कहा कि यह लोगों के लिए अपनी गोपनीयता की रक्षा करते हुए और अपने विश्वास को बनाए रखते हुए अपने ऐप और सेवाओं को स्थापित करना और प्रबंधित करना आसान बना रहे हैं। फिल शिलर ने एक बयान में कहा, ऐप स्टोर पर भरोसा हमारे लिए सब कुछ है। ऐप स्टोर का फोकस हमेशा उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित और सुरक्षित अनुभव बनाने के लिए है, जबकि उन्हें अपने पसंदीदा उपकरणों पर शानदार ऐप खोजने और उनका उपयोग करने में मदद करता है। 2022 की शुरूआत में परिवर्तन लागू होने से पहले, एप्पल अपने दिशानिर्देशों और समीक्षा प्रक्रिया को अपडेट करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रीडर ऐप के यूजर्स को ऐप स्टोर पर एक सुरक्षित अनुभव मिल सके। यह अपडेट पिछले सप्ताह घोषित ऐप स्टोर में कई बदलावों का अनुसरण करता है, जो डेवलपर्स को अपने ग्राहकों तक पहुंचने, उनके मूल्य बिंदुओं को दर्जी करने और अपने व्यवसायों को विकसित करने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करेगा। ऐप्पल ने स्थानीय पत्रकारिता का समर्थन करने और ऐप स्टोर पर समाचार संगठनों की मदद करने के लिए न्यूज पार्टनर प्रोग्राम भी लॉन्च किया। दक्षिण कोरियाई संसद ने मंगलवार को एक विधेयक पारित किया जो गूगल और एप्पल के अपने ऐप स्टोर पर भुगतान पर लगाम लगाएगा है। ऐसा कानून बनाने वाला यह दुनिया का पहला देश बन गया है।

इंजीनियरों को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के तरीके तलाशने चाहिए: गडकरी

नयी दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने विभिन्न राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और निर्माण में होने वाली देरी पर चिंता जताते हुए सलाहकार इंजीनियर तथा डीपीआर इंजीनियरों से आत्मनिरीक्षण करने, कमियों को दूर करने एवं गुणवत्ता में सुधार लाने के तरीके तलाशने की अपील की। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को मिलीं कुछ बोलियां इतनी कम हैं कि किसी को आश्चर्य होता है कि क्या उसमें कर्मचारियों का वेतन और अच्छा काम शामिल है। गडकरी ने कहा कि स्वतंत्र इंजीनियरों और डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) इंजीनियरों के साथ मंत्रालय का अनुभव मिला-जुला रहा है क्योंकि जहां उन्होंने उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई है, कुछ परियोजनाएं जिन्हें दो से चार साल में पूरा करने की जरूरत थी, वे दशकों से लटकी हुई हैं। वह बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित बैठक में कंसल्टिंग इंजीनियरों के साथ बातचीत कर रहे थे। गडकरी ने कहा, सलाहकारों द्वारा आत्मनिरीक्षण करने से पता चलेगा कि क्या गलत हुआ है और (परियोजना) समय पर पूरा करने के लिए कौन से कदम जरूरी हैं।

भारत का जुलाई साल-दर-साल घरेलू हवाई यात्री यातायात बढ़ा : आईएटीए

नई दिल्ली। त्वरित टीकाकरण अभियान के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों की उच्च दर ने साल-दर-साल आधार पर जुलाई 2021 में भारत के घरेलू हवाई यात्री यातायात में इजाफा किया है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के अनुसार, भारत का घरेलू हवाई यात्री वॉल्यूम - राजस्व यात्री किलोमीटर (आरपीके) में मापा जाता है। भारत चीन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, जापान और अमेरिका जैसे प्रमुख विमानन बाजारों में से एक है। भारत में आरपीके की वृद्धि जुलाई में 123 प्रतिशत बढ़ी, जब 2020 की समान अवधि के स्तरों की तुलना में। देश की घरेलू उपलब्ध यात्री क्षमता उपलब्ध सीट किलोमीटर (एएसके) में मापी गई 96.1 प्रतिशत से अधिक थी। हालांकि, 2019 के स्तर की तुलना में आरपीके (माइनस) 59.4 फीसदी नीचे था। इसके अलावा, एएसके 2019 की इसी अवधि की तुलना में जुलाई में (माइनस) 47.1 प्रतिशत कम था।

सोना 28 रुपये गिरा, चांदी 279 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली, डालर के मुकाबले रुपये में सुधार के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 28 रुपये की हानि के साथ 46,193 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,221 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ। दूसरी ओर, चांदी की कीमत 279 रुपये बढ़कर 62,650 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 62,371 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में शुरु के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे मजबूत होकर 73.02 रुपये प्रति डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली तेजी के साथ 1,814 डॉलर प्रति औंस पर बोला गया। वहीं चांदी 24.17 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''कॉमेक्स (न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज) में बृहस्पतिवार को सोने की हाजिर कीमत मामूली तेजी के साथ 1,814 डॉलर प्रति औंस चल रही थी। मिले जुले वैश्विक संकेतों के बीच सोने में तेजी का रुझान रहा।''

फिर रिकॉर्ड ट्रैक पर लोटा शेयर बाजार

सेंसेक्स 514 अंक मजबूत, निफ्टी 17,200 के पार पहुंची निफ्टी

बिजनेस डेस्क।

एक दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में फिर तेजी लौट आई। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 514 अंक उछलकर नये रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचयूएल में तेजी से बाजार को मजबूती मिली। एनएसई निफ्टी भी 17,200 के ऊपर नई ऊंचाई पर बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 514.33 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,852.54 अंक के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 157.90 अंक यानी 0.92 प्रतिशत चढ़कर 17,234.15 अंक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में टीसीएस का शेयर रहा। उसके बाद एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक, डा. रेड्डीज और टाइटटन प्रमुख रूप से लाभ में रहें। दूसरी तरफ, गिरावट वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, बजाज फिनसर्व और एशियन पेंट्स शामिल हैं। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''मानक सूचकांक निफ्टी के उच्चतम स्तर पर

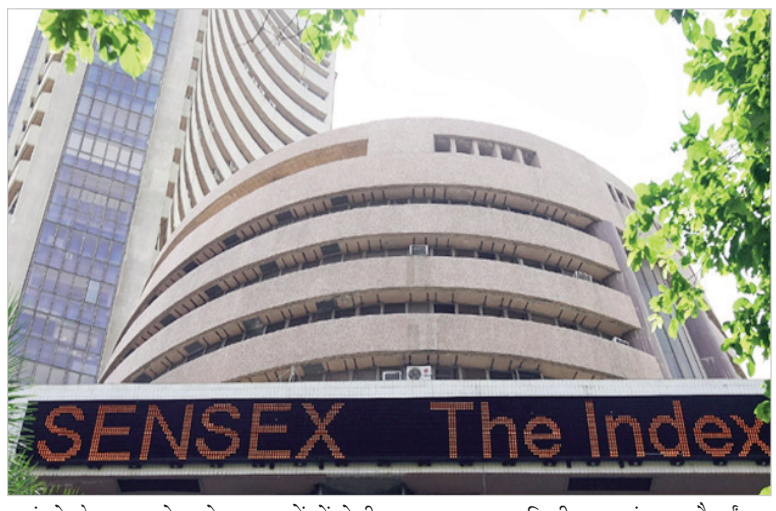

पहुंचने के साथ घरेलू शेयर बाजारों में तेजी लौटी। आईटी, दवा और उपभोक्ता खंड के शेयरों में तेजी से बाजार को बल मिला। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वाहन को छोड़कर ज्यादातर प्रमुख खंडवार सूचकांक लाभ में रहें। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मजबूत लिवाली देखने को मिली। मोदी ने कहा कि अगस्त में जीएसटी संग्रह, रेलवे से माल ढुलाई, सेमीकंडक्टर के मुद्दे के बावजूद वाहन बिक्री का आंकड़ा और ईंधन मांग जैसे आंकड़े सतत आर्थिक पुनरूद्धार का संकेत देते हैं। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग और तोक्यो लाभ में रहें जबकि सियोल में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एयरटेल ने 5 जी नेटवर्क पर क्लाउड गेमिंग अनुभव का किया परीक्षण

नई दिल्ली।

एयरटेल ने भारत में पहली बार 5जी नेटवर्क पर क्लाउड गेमिंग का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।दूरसंचार विभाग द्वारा आवंटित स्पेक्ट्रम का उपयोग कर के चल रहे 5जी परीक्षणों के हिस्से के रूप में मानेसर (गुरुग्राम) में प्रदर्शन किया गया है। भारती एयरटेल के सीटीओ रणदीप सेखों ने कहा, क्लाउड गेमिंग 5जी के सबसे बड़े उपयोग के मामलों में से एक होगा,जो उच्च गति और कम विलंबता के संयोजन के लिए धन्यवाद। नेटवर्क पर परीक्षण करने के बाद भारत का पहला 5जी डेमो है।उन्होंने कहा, हम इस 5जी गेमिंग सत्र का संचालन करने के लिए रोमांचित हैं। वास्तविक समय का आनंद लेने की कल्पना करें, तो दुनिया के किसी अन्य हिस्से में बैठे किसी के साथ गेमिंग कर सकते है। यह एक रोमांचक डिजिटल भविष्य की शुरूआत है जिसे एयरटेल अपने ग्राहकों के लिए सक्षम करेंगे, क्योंकि हम भारत में 5जी को रोल-आउट करने की तैयारी कर रहे हैं। 5जी क्लाउड गेमिंग प्रदर्शन के लिए, एयरटेल ने भारत के दो प्रमुख गेमर्स - मॉर्टल (नमन माथुर), और माम्बा (सलमान अहमद) के साथ भागीदारी की। क्लाउड गेमिंग यूजर्स को डाउनलोड किए बिना या गेमिंग हार्डवेयर में निवेश किए बिना गेम स्ट्रीम करने और खेलने की अनुमति देगा। 5जी नेटवर्क के आने के साथ, क्लाउड गेमिंग के नए सामान्य होने की उम्मीद है, ताकि यूजर्स आपने स्मार्टफोन और टैबलेट पर गेमिंग अनुभव जैसे बड़े कंसोल का आनंद ले सकेंगे। स्टेटिस्टा के अनुसार, भारत अपनी विशाल युवा आबादी, स्मार्टफोन की बढ़ती मांग और 5जी नेटवर्क के साथ मोबाइल गेमिंग को 2.4 बिलियन डॉलर के बाजार अवसर के रूप में विकसित होते हुए देखेगा। भारत में 436 मिलियन ऑनलाइन गेमर्स के आधार पर 2022 तक 510 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है। इस साल की शुरूआत में, एयरटेल ने हैदराबाद में लाइव 4जी नेटवर्क पर 5जी सेवाओं का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, जिसने उद्योग को पहला स्थान दिया। यह भारत भर के कई शहरों में 5जी परीक्षण भी कर रहा है और दूरसंचार विभाग द्वारा आवंटित परीक्षण स्पेक्ट्रम के माध्यम से प्रौद्योगिकियों और उपयोग के मामलों को मान्य कर रहे है। इन परीक्षणों के लिए एयरटेल ने एरिक्सन और नोकिया के साथ साझेदारी की है।

सीसीआई ने टीएस राजम रबर्स प्राइवेट लिमिटेड और धीनरामा मोबिलिटी सॉल्यूशन लिमिटेड के अधिग्रहण सौदे को मंजूरी दी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 की धारा 31(1) के तहत टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में निश्चित हिस्सेदारी के टीएस राजम रबर्स प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता 1) और धीनरामा मोबिलिटी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता 2) के अधिग्रहण सौदे को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्तावित लेन-देन में दोनों अधिग्रहणकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से कंपनी की अतिरिक्त शेयरधारिता का अधिग्रहण शामिल है। प्रस्तावित लेन-देन सीडीपीक्यू प्राइवेट इक्विटी एशिया पीटीई लिमिटेड (सीडीपीक्यू) से द्वितीयक खरीद के माध्यम से किया जाएगा। अधिग्रहक टीवीएस मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां हैं, जिसका स्वामित्व और नियंत्रण टीएस राजम परिवार के पास है। टीएस राजम परिवार के सदस्य इसके प्रमोटर हैं। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड एक गैर-सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनी है और अपनी सहयोगी कंपनियों के साथ यह भारत और विदेशों में लॉजिस्टिक्स/आपूर्ति श्रृंखला सेवाओं को उपलब्ध करा रही है।

मद्रास हाईकोर्ट ने बंपर-टू-बंपर बीमा आदेश को स्थगित किया

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने गैर-जीवन बीमा क्षेत्र के निकाय, जनरल इंश्योरेंस कार्उसिल के एक अभ्यावेदन पर सभी नई कारों और दोपहिया वाहनों के लिए पांच साल के अनिवार्य बंपर-टू-बंपर बीमा कवर पर अपने पहले के आदेश को स्थगित कर दिया है। पिछले महीने, मद्रास उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में 1 सितंबर, 2021 से बेची जाने वाली सभी नई निजी कारों के लिए महंगा बंपर-टू-बंपर बीमा कवर अनिवार्य कर दिया था। जनरल इंश्योरेंस कार्उसिल ने अदालत से कहा है कि गाड़ियों के बंपर टू बंपर इंश्योरेंस को लेकर बीमा कंपनियों को बीमा नियामक से मंजूरी मिलने के बाद कंप्यूटर सिस्टम में बदलाव के लिए 90 दिन का समय दिया जाए। इंडस्ट्री अन्य स्पष्टीकरण के साथ यह स्पष्टीकरण भी चाहती है कि क्या यह फैसला अन्य राज्यों में भी लागू होगा। राज्य सरकार ने 31 अगस्त को एक सकरुलर जारी कर वाहन पंजीकरण कार्यालयों को अदालत के आदेश का पालन करने का आदेश दिया था, जिसमें वाहनों के पंजीकरण के समय नई कारों और दोपहिया वाहनों के लिए बंपर-टू-बम्पर बीमा कवर होना अनिवार्य कर दिया गया था। वाहन बीमा पॉलिसी के मुख्य रूप से दो भाग हैं - स्वयं की क्षति (क्षति, चोरी के विरुद्ध वाहन का बीमा) और तृतीय पक्ष (थर्ड पार्टी) देयता (तीसरे पक्ष के लिए दायित्व)। थर्ड पार्टी बीमा कवर अनिवार्य है, जबकि वाहन क्षति के लिए बीमा कवर अनिवार्य नहीं है। मद्रास उच्च न्यायालय का आदेश वाहनों के लिए बीमा कवर को अनिवार्य बनाने के लिए है। बता दें कि मद्रास हाईकोर्ट ने 26 अगस्त को एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा था कि एक सितंबर से कोई भी नया वाहन बेचने पर उसका संपूर्ण बीमा (बंपर-टू-बंपर कवर) अनिवार्य रूप से होना चाहिए। यह पांच साल की अवधि के लिए चालक, यात्रियों और वाहन के मालिक को कवर करने वाले बीमा के अतिरिक्त होगा। बंपर-टू-बंपर बीमा में वाहन के फाइबर, धातु और रबड़ के हिस्सों सहित 100 प्रतिशत कवर मिलता है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि वाहन के मालिक को चालक, यात्रियों, तीसरे पक्ष और खुद के हितों की रक्षा करने में सतर्क रहना चाहिए, ताकि वाहन के मालिक पर अनावश्यक दायित्व थोपने से बचा जा सके।

इंडियन ऑयल ने अपने विदेशी मुद्रा बांड आईएफएससी एक्सचेंज में सूचीबद्ध किये

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कार्पोरेशन ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट) में आईएफएससी (इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर) एक्सचेंज पर अपने विदेशी मुद्रा बांड सूचीबद्ध किये हैं। एनएसई आईएफएससी द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार, इंडियन ऑयल के निदेशक (वित्त) संदीप कुमार गुप्ता ने एक बयान में कहा, हम एनएसई आईएफएससी और इंडिया आईएनएक्स एक्सचेंज पर 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर और 40 करोड़ सिंगापुर डॉलर को सूचीबद्ध करने के समारोह के महत्वपूर्ण अवसर पर यहां आकर बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी में आईएफएससी के आने से भारतीय कंपनियों को भारत के भीतर ही अपतटीय कोष तक पहुंचने का अवसर मिला है। इन बांड को इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (इंडिया आईएनएक्स) के वैश्विक प्रतिभूति बाजार मंच और एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (एनएसई आईएफएससी) के ऋण प्रतिभूति बाजार मंच पर सूचीबद्ध किया गया। ये मंच विभिन्न विदेशी मुद्रा बांड, ग्रीन बांड, मसाला बांड, नोट सहित अन्य में ऋण प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध करने और उनके कारोबार के लिए शुरू किए गए हैं।

टाटा पावर की इकाई को मध्य प्रदेश में 330 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना का ठेका मिला

नयी दिल्ली,

टाटा पावर ने बृहस्पतिवार को कहा कि की उसकी पूर्ण अनुषंगी इकाई टीपी सौर्या को मध्य प्रदेश में 330 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना लगाने को लेकर रेवा अल्ट्रा मेगा सोलर लि. से अनुबंध पत्र मिला है।

टाटा पावर ने एक बयान में कहा, ''कंपनी की अनुषंगी इकाई टीपी सौर्या लि. (टीपीएसएल) को मध्य प्रदेश के नीमच जिले में 330 मेगावाट क्षमता की परियोजना लगाने को लेकर रेवा अल्ट्रा मेगा सोलर लि. से अनुबंध पत्र मिला है। इसके तहत 160 मेगावाट की एक इकाई तथा 170 मेगावाट की एक अन्य इकाई लगायी जाएगी।'

परियोजना का आबंटन शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के जरिये किया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अनुबंध पत्र टाटा पावर, रिन्यूएबल के अध्यक्ष आशीष खन्ना को सौंपा। इस मौके पर नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डाग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर टाटा पावर के सीईओ और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा, ''मध्य प्रदेश में रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर से 330 मेगावाट सौर परियोजना के विकास और संचालन के लिए यह प्रतिष्ठित अनुबंध प्राप्त करके हमें खुशी है। हम देश भर में ग्रिड स्तर के सौर संयंत्रों को लगातार बढ़ा रहे हैं।'' परियोजनाएं मध्य प्रदेश के नीमच जिले के नीमच सोलर पार्क में लगायी जाएगी।

इससे बनने वाली बिजली खरीद समझौते के तहत 25 साल के लिये रेलवे और मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लि. को दी जाएगी। इसके साथ, टाटा पावर की नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता 2,947 मेगावाट हो जाएगी जबकि 1,414 मेगावाट क्षमता क्रियान्वयन के स्तर पर है। इस प्रकार कंपनी की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 4,361 मेगावाट तक पहुंच जायेगी।

टेस्ला रोडस्टर को 2023 में शिप करने की तैयारी- एलोन मस्क

सैन फ्रांसिस्को।

इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क ने कहा है कि आगामी टेस्ला रोडस्टर को 2023 में शिप करने की उम्मीद है।

मस्क ने ट्विटर पर लिखा, 2021 सुपर क्रेजी सप्लाई चेन की इस साल कमी रही है,इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे पास 17 नए उत्पाद हैं,जो अभी शिप नहीं होगा। मस्क ने पहली बार नवंबर 2017 में एक कार्यक्रम में 200,000 डॉलर की दूसरी जनरेशन के रोडस्टर की घोषणा की, जिसमें वादा किया गया था कि बेस मॉडल 1.9 सेकंड में 0 से 60 तक जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि रोडस्टर में 200 किलोवाट का बैटरी पैक और प्रति चार्ज 620-मील की रेंज होगा। रिपोर्ट में कहा, उत्पादन 2020 में किसी समय शुरू होने वाला था, लेकिन जनवरी में मस्क ने कहा कि उत्पादन 2022 में शुरू होगा। देरी उन लोगों के लिए चुभ सकती है जिन्होंने पहले ही कार पर जमा राशि जमा कर दी है। टेस्ला बेस मॉडल के लिए 50,000 डॉलर जमा कर रहा है और उच्च अंत संस्थापक श्रृंखला मॉडल के लिए 250,000 डॉलर जमा किया गया है। मस्क ने जुलाई में एक कमाई कॉल में कहा कि टेस्ला ने अपनी कारों में वैकल्पिक चिप्स को प्रतिस्थापित करके और अपने सॉफ्टवेयर को फिर से लिखकर वैश्विक चिप की कमी को पहले ही समायोजित कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अभी भी कुछ बाधाओं को दूर करना बाकी है, जब तक यह होनहार नए रोडस्टर को जारी नहीं कर सकता है।

साथ ही, टेस्ला साइबरट्रक पर उत्पादन 2022 तक के लिए टाल दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वॉर्न की शीर्ष दस सूची में कोई भारतीय गेंदबाज शामिल नहीं

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर शेन वॉर्न ने ऑलटाइम शीर्ष दस गेंदबाजों का चयन किया है पर हैरानी की बात है कि इसमें किसी भी भारतीय गेंदबाज को जगह नहीं मिली है। वॉर्न ने अपनी इस पसंदीदा टीम में पाकिस्तान के वसीम अकरम, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा, डेल स्टेन जैसे दिग्गज पूर्व गेंदबाजों को शामिल किया है। इस सूची में वॉर्न ने किसी भी भारतीय गेंदबाज को शामिल नहीं किया है। वॉर्न ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को भी इस सूची में रखा है। वॉर्न ने डेनिस लिली, वसीम अकरम, मैल्कम मॉर्शल, ग्लेन मैक्ग्राथ, कर्टली एम्ब्रोस, डेल स्टेन, रिचर्ड हैडली, जेफ थॉमसन, माइकल होल्डिंग और जेम्स एंडरसन को अपनी सूची में जगह दी है पर वॉर्न ने यह साफ नहीं किया उनकी सूची में पहले नंबर पर कौन रहेगा। वॉर्न की इस सूची पर उनके ही पूर्व साथी मॉर्क वॉ ने सवाल उठा दिये हैं। वॉ ने वॉर्न से कहा कि इस सूची में एंडरसन की जगह जोएल गॉर्नर को शामिल किया जाना चाहिए। वॉर्न की लिस्ट में शामिल तेज गेंदबाजों में स्टेन का स्ट्राइक रेट सबसे बेहतर है। स्टेन ने टेस्ट क्रिकेट में 42.3 की स्ट्राइक रेट से विकेट लिए हैं।

टोक्यो पैरालंपिक

बैडमिंटन में सुहास, कृष्णा और तरूण जीते, पलक को मिश्रित सफलता

टोक्यो ।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों सुहास यथिराज, तरूण ढिल्लों और कृष्ण नागर ने गुरुवार को यहां तोक्यो पैरालंपिक की बैडमिंटन स्पर्धा के पुरुष एकल में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। सुहास और तरूण ने एसएल4 वर्ग में क्रमशः जर्मनी के येन निकलास पोट और थाईलैंड के सिरीपोंग तेमारोम के खिलाफ आसान जीत दर्ज की जबकि दूसरे वरीय नागर ने एसएच6 वर्ग में मलेशिया के तारेशॉ दिदिन को हराया। युवा पलक कोहली ने ग्रुप ए में महिला एकल के अपने दूसरे मैच में तुर्की की जेहरा बगलार को शिकस्त दी। पुरुष एकल के ग्रुप ए के एकतरफा मुकाबले में 38 साल के सुहास ने सिर्फ 19 मिनट में पोट को 21-9 21-3 से हराया। ग्रुप बी में 27 साल के तरूण को भी अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा और वह तेमारोम को सिर्फ 23 मिनट में 21-7 21-13 से हराने में सफल रहे। नागर ने ग्रुप बी में कड़े मुकाबले में दिदिन को 33 मिनट में 22-20 21-10 से हराया। अगले मुकाबले में सुहास का सामना शुक्रवार को इंडोनेशिया के हैरी सुसांतो और फिर फ्रांस के शीर्ष वरीय लुकास माजुर से होगा जबकि तरूण को कोरिया के शिन क्युंग ह्वान और इंडोनेशिया के फेडी सेतियावान से भिड़ना है। बाइस साल के नागर शुक्रवार को ब्राजील के विटोर गोंजालवेज तवारेज से भिड़ेंगे। सुहास के एक टखने में समस्या है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है। दूसरी तरफ तरूण को आठ साल की उम्र में फुटबॉल खेलते हुए घुटने में गंभीर चोट लगी थी जिससे उनके घुटने की मूवमेंट प्रभावित हुई। वह अभी दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और दो बार के पूर्व विश्व चैंपियन हैं। नागर की लंबाई सामान्य से कम है और वह एसएच6 वर्ग में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हैं। महिला एकल एसयू5 वर्ग में पलक ने जेहरा को 27 मिनट में 21-12 21-18 से हराया। भारतीय खिलाड़ी को अपने पहले मुकाबले में जापान की अयाको सुजूकी के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इससे पहले सुबह के सत्र में 19 साल की पलक और पारूल परमार की जोड़ी को एसएल3-एसयू5 वर्ग के ग्रुप बी के महिला युगल मुकाबले में चेंग हेफांग और मा हुईहुई की चीन की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ 7-21 5-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी का सामना शुक्रवार को लेनेग मोरिन और फॉस्टीन नोएल की फ्रांस की जोड़ी से होगा। एसएल3 वर्ग में चुनौती पेश करने वाली 48 साल की पारूल महिला एकल के ग्रुप डी में चीन की चेंग हेफांग को कोई चुनौती नहीं दे पाई और 18 मिनट में 8-21 2-21 से हार गई। उन्हें आज ही जर्मनी की कैटरिन सीबर्ट का सामना करना है। सुहास ने कहा कि वह शुक्रवार को शीर्ष वरीय और खिताब के प्रबल दावेदार माजुर के खिलाफ मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'हम दोनों इस मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। पैरालंपिक से पहले टूर्नामेंटों के हमारे बीच कड़ी टक्कर रही थी और मैंने उसके खिलाफ कुछ मुकाबले गंवाए और कुछ में जीत दर्ज की। यह अच्छी चुनौती होगी।' सुहास ने कहा, 'उसकी लंबाई के कारण कुछ शॉट ऐसे होते हैं जिसके आप आदी नहीं हैं लेकिन मैंने विशेष तौर पर इसकी ट्रेनिंग की है।

महिला क्रिकेटः ब्यूमोंट के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 46 रनों से हराया

चेम्सफोर्ड ।

सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट (97) के तूफानी पारी के बदौलत इंग्लैंड ने यहां कांउटी ग्राउंड में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड को 46 रनों से हरा कर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्यूमोंट के 65 गेंदों पर 13 चौकों और एक छक्के के सहारे 97 रन के दम पर 20 में चार विकेट पर 184 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 18.5 ओवर में 138 रन बना कर ऑल आउट हो गई।इंग्लैंड की ओर से कैथरीन ब्रंट, सोफी एक्लेस्टोन और सारा ग्लेन ने दो-दो विकेट जबकि मैडी विलियर्स, नताशा फरेंट और कप्तान नताली स्काइवर ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इससे पहले, न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने टॉस जीत कर इंग्लैंड की टीम को पहले बल्लेबाजी कराने का फैसला किया। ब्यूमोंट और डेनिएल व्हाइट (14) ने इंग्लैंड की ओर से पहले विकेट के लिए 31 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड की ओर से ब्यूमोंट के अलावा कप्तान स्काइवर ने 14, विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स ने 31 और सोफिया डंकली ने नाबाद 23 रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड की तरफ से हेले जेन्सेन को दो विकेट मिले जबकि लेह कास्पेरेक और एमी सैटरथवेट ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम के बल्लेबाजों का बल्ला खामोश रहा। एमी सैथरवेट (43) के अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 का आंकड़ा भी नहीं पार कर सका। अब दोनों टीमो के बीच अगला मुकाबला शनिवार को होव में खेला जाएगा।

ओलंपिक विजेताओं के समान पैरालंपिक के विजेताओं को बोनस देगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने गुरूवार को बताया है कि वह ओलंपिक विजेताओं के समान ही पैरालंपिक के पदक विजताओं को बोनस देगा। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वालों को ऑस्ट्रेलियन ओलंपिक समिति बीस हजार डॉलर, रजत पदक विजेताओं को 15 हजार डॉलर और कांस्य पदक हासिल करने वाले एथलीटों को दस हजार डॉलर की सहायता प्रदान करेगी। हालांकि, पैरालंपिक में पदक जीतने वाले एथलीटों के लिए अभी तक कोई ऐसी समान व्यवस्था नहीं थी । संसद में बोलते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि उनकी सरकार पैरालंपिक पदक विजेताओं को ओलंपिक पदक विजेताओं के समान वित्तीय सहायता देगी। उन्होंने ये भी कहा कि हम हर विजेता से व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे और सहायता राशि सीधे विजेताओं को देंगे । टोक्यो पैरालंपिक की पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया आठवें नंबर पर है। उसने अबतक 13 स्वर्ण, 23 रजत और 24 कांस्य पदक जीते हैं।

पैरालंपिक (निशानेबाजी)

जाखर मिक्सड 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे

टोक्यो।

भारत के पैरा निशानेबाज राहुल जाखर पी 3 मिक्सड 25 मीटर पिस्टल एसएच 1 फाइनल इवेंट में पांचवें स्थान पर रहे और यहां चल रहे पैरालंपिक में पदक लाने से चूक गए। जाखर क्वालीफाइंग में 576 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे थे। लेकिन फाइनल में वह एलिमिनेट हो गए। उन्होंने कुल 12 का स्कोर किया। चीन के जिंग हुआंग जो क्वालीफाइंग राउंड में शीर्ष पर रहे थे उन्होंने 27 का स्कोर कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले, जाखर क्वालीफाइंग राउंड में प्रिसिसन राउंड के बाद 284 स्कोर के साथ 13वें स्थान पर थे। लेकिन रेपिड फायर सेक्शन में उन्होंने 292 का स्कोर किया और 576 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। चीन के जिंग हुआंग 585 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहे। जिंग ने प्रिसिसन में 294 और रेपिड में 291 का स्कोर किया। इसके अलावा चीन के यांग चाओ 575 के स्कोर के साथ तीसरे नंबर पर रहे। भारत के एक अन्य निशानेबाज आकाश प्रिसिसन राउंड के बाद 278 के स्कोर के साथ 20वें स्थान पर थे। रेपिड राउंड में वह 273 का स्कोर कर सके और अपनी स्थिति नहीं सुधार पाए जिस कारण 20 वें स्थान पर ही रहे। भारत ने पैरालंपिक में निशानेबाजी इवेंट में अब तक दो पदक जीते हैं। अवनि लेखारा ने जहां स्वर्ण तो सिंघराज से कांस्य पदक अपने नाम किया है। जाखर से पदक लाने की उम्मीद थी लेकिन वह ऐसा करने से चूक गए।

संक्षिप्त समाचार

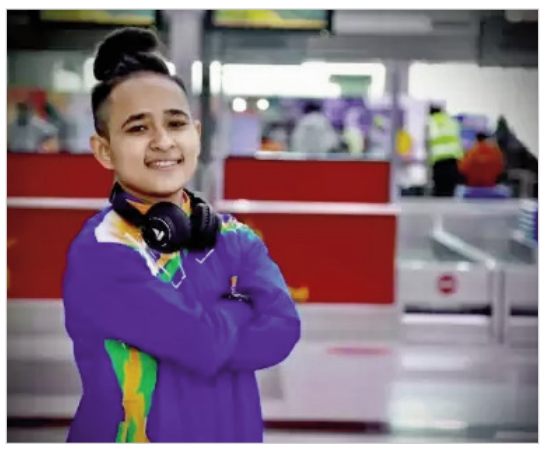

पैरालंपिक (ताइक्वांडो) : अरुणा क्वार्टर फाइनल में हारीं

टोक्यो। भारत की अरुणा तंवर गुरुवार को टोक्यो पैरालिंपिक में महिलाओं की 44-49 किग्रा ताइक्वांडो प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पेरू की लियोनोर एस्पिनोजा कैरान्जा के हाथों 84-21 से हार गई। अरुणा सर्बिया की डेनिजेला जोवानोविक के खिलाफ 29-9 से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। हरियाणा के भिवानी की 21 वर्षीय अरुणा का जन्म प्रत्येक हाथ में केवल तीन अंगुलियों के साथ हुआ था और उनकी बाहें पूरी तरह से विकसित नहीं हुई थी, उन्होंने आठ साल की उम्र में ताइक्वांडो को चुना और 2017 तक प्रतियोगिताओं में भाग लिया, बाद में उन्हें पैरा-ताइक्वांडो में स्विच करना पड़ा। अरुणा ने अपना पूरा जोर लगाया पर लियोनोर, जो अपनी श्रेणी में दुनिया में चौथे स्थान पर हं, उनके सामने मजबूत साबित हुई और उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को अधिक मौका नहीं दिया। अब रेपेचेज राउंड में अरुणा का सामना अजरबैजान की रोयाला फतालियावा से नहीं होगा क्योंकि वह चोट के चलते बाहर हो गई है।

रोनाल्डो ने दो गोल के साथ तोड़ा सर्वाधिक गोल का रिकॉर्डस, 2-1 से जीता पुर्तगाल

फारो (पुर्तगाल) ।

दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए लेकिन इसके बावजूद विश्व कप क्वालीफाइंग ग्रुप ए में बुधवार को यहां आयरलैंड पर पुर्तगाल की 2-1 की जीत में दो गोल के साथ पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रहे। आयरलैंड को 45वें मिनट में जॉन इगान ने बढ़त दिलाई। रोनाल्डो ने इसके बाद 89वें मिनट में अपना 110वां गोल दागते हुए पुर्तगाल को बराबरी दिलाई और ईरान के पूर्व स्ट्राइकर अली देई के पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड को तोड़ा। रोनाल्डो ने इसके बाद इंजरी टाइम में 180वें मैच में अपना 111वां गोल दागकर आयरलैंड के प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया और पुर्तगाल की जीत सुनिश्चित की। रोनाल्डो ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि मैंने रिकॉर्ड तोड़ा बल्कि उन विशेष लम्हों के लिए जो हमें मिले। मैच के अंतिम लम्हों में दो गोल करना इतना मुश्किल होता है लेकिन टीम ने जो किया मुझे उसकी सराहना करनी होगी। हमने अंत तक विश्वास बनाए रखा। रोनाल्डो के लिए हालांकि मुकाबले की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और आयरलैंड के गोलकीपर गेविन बजुनु ने 15वें मिनट में उनकी पेनल्टी किक रोक दी। रोनाल्डो ने 2004 यूरोपीय चैंपियनशिप में पुर्तगाल के लिए जब अपना पहला गोल किया था तो गेविन सिर्फ दो साल के थे। इस जीत से पुर्तगाल की टीम चार मैचों में 10 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर चल रही है। सर्बिया की टीम उससे तीन अंक पीछे है लेकिन वह बुधवार को नहीं खेली। लग्जमबर्ग ने अजरबेजान को 2-1 से हराया और सर्बिया से एक अंक पीछे तीसरे स्थान पर चल रहा है।

भारत ने एक बार फिर अश्विन को बाहर रखा

लंदन।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ लगातार चौथे टेस्ट मैच से ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को बाहर रखा है। अश्विन द ओवल में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच से पहले वार्मअप करते नजर आए थे लेकिन उन्हें एकादश में जगह नहीं दी गई। इंग्लैंड ने टीम में चार बाएं हाथ के खिलाड़ियों को लिया है जिसमें से तीन अपनी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते है। अश्विन का बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा रहा है। कुल 413 टेस्ट विकेट में से उन्होंने 211 विकेट बाएं हाथ के बल्लेबाजों को आउट कर लिए हैं। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर ने कहा, वे अतिरिक्त बल्लेबाज को नहीं खेला रहे हैं। उन्होंने पांच गेंदबाजों को खेलाया लेकिन फिर भी अश्विन नहीं खेल रहे हैं। यह आश्चर्यजनक है। ओवल की पिच इंग्लैंड के अन्य पिचों के मुकाबले स्पिनरों को ज्यादा मदद देने वाली है। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने भी इस बात के संकेत दिए थे कि अगर पिच स्पिनरों के मददगार हुई तो दो स्पिनरों को खेलाया जा सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट ने रवींद्र जडेजा के तौर पर एक स्पिनर को एकादश में जगह दी है। जडेजा बल्लेबाजी के लिए अजिंक्य रहाणे और ऋषभ पंत से पहले पांचवें नंबर पर उतरे। यह स्पष्ट है कि इस पिच में स्पिनरों के लिए कुछ खास नहीं है।

अफगानिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम को भारत से खेलने की मंजूरी मिली : शिनवारी

काबुल । अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद तालिबन ने पहला बड़ा फैसला लेते हुए पुरुष क्रिकेट को भारत के साथ क्रिकेट खेलने की अनुमति दे दी है पर महिला क्रिकेट को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। गत वर्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 25 महिला खिलाड़ियों को केन्द्रीय अनुबंध भी दिया था। वहीं कई महिला खिलाड़ियों ने तालिबान के आने के बाद से ही देश छोड़ दिया है। अफगानिस्तान की टीम अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप में भी खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के मुख्य कार्यकारी हामिद शिनवारी ने कहा हम अगले साल टेस्ट सीरीज खेलने भारत जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'टी20 विश्व कप से पहले हम एक त्रिकोणीय सीरीज की योजना बना रहे हैं। इसमें वेस्टइंडीज और श्रीलंका की टीमें भी उतर सकती हैं। इसका आयोजन यूएई में किया जाएगा।' तालिबान ने टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नवंबर में होने वाले टेस्ट मैच के लिए भी सहमति दे दी है। वहीं शिनवारी ने कहा कि महिला क्रिकेट को लेकर नई सरकार फैसला लेगी।

एफवन सत्र के बाद संन्यास लेंगे राइकोनेन

जेंडवूर्ट। फिनलैंड के लोकप्रिय फार्मूला वन ड्राइवर किमी राइकोनेन एफवन सत्र के बाद खेल को अलविदा कहेंगे। इसी के साथ ही 'आइसमैन' के नाम से लोकप्रिय राइकोनेन का दो दशक का करियर समाप्त हो जाएगा। राइकोनेन साल 2007 में विश्व चैंपियन भी बने थे। राइकोनेन का अल्फा रोमियो टीम के साथ का अनुबंध इस साल ही समाप्त हो रहा है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर रैस को अलविदा कहने की जानकारी दी है। राइकोनेन ने लिखा, 'बहुत हो गया। यह फार्मूला वन में मेरा आखिरी सत्र होगा। मैंने पिछली सर्दियों में ही यह फैसला ले लिया था पर इसकी घोषणा करना आसान नहीं थी। तब मैं इस बारे में अंतिम फैसला नहीं कर पा रहा था। अब इस सत्र के बाद मेरे लिए यह बातों के लिए पर्याप्त समय होगा।

अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम को देश से बाहर निकालने के प्रयास जारी

वाशिंगटन ।

वे लड़कियां तालिबान से बचने के लिए अफगानिस्तान में एक जगह से दूसरी जगह छिप रही हैं। इन लड़कियों की जान को खतरा है क्योंकि इन्होंने उस खेल को चुना जिसे वे प्यार करती हैं। ये अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम की सदस्य हैं। अफगानिस्तान की राष्ट्रीय महिला टीम की सदस्यों, उनके परिवार के सदस्यों और फुटबॉल महासंघ के कर्मचारियों को देश के बाहर निकालने के प्रयासों को पिछले हफ्ते झटका लगा जब काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती आतंकी हमले में अफगानिस्तान के 169 नागरिक और 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए। ये लड़कियां अब डरी हुई हैं और चिंतित हैं कि क्या उन्हें और उनके परिवार वालों को देश से बाहर निकाला जा सकेगा। पूर्व चीफ आफ स्टाफ और राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में वाइट हाउस के अधिकारी रहे रॉबर्ट मैकक्रीरी ने कहा कि वे युवा लड़कियां हैं जिन्हें खेलना चाहिए था, झूले झूलना चाहिए था, अपने दोस्तों के साथ खेलना चाहिए था और यहां वे काफी बुरी स्थिति में हैं और वह भी सिर्फ फुटबॉल खेलने के कारण। अफगानिस्तान के विशेष बल के साथ काम कर चुके रॉबर्ट ने कहा कि हमें उन्हें बचाने और सुरक्षित जगह पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। हवाई अड्डे पर आत्मघाती हमला इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों ने किया जो तालिबान के प्रतिद्वंद्वी हैं। अमेरिकी सेना भी स्वीकार कर चुकी है कि लोगों को अफगानिस्तान से बाहर निकालने के दौरान उन्होंने कुछ हद तक तालिबान के साथ कुछ हक तक समन्वय स्थापित किया था जिसने लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हवाई अड्डे के आसपास चेकप्वाइंट बनाए थे और आखिरी दिनों में अमेरिकी नागरिको देश से बाहर निकालने में सहयोग किया।

यूएस ओपन : स्टेफेंस और हालेप तीसरे दौर में

न्यूयॉर्क। 2017 की चैंपियन स्टोआने स्टेफेंस यहां जारी वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गई हैं।स्टेफेंस ने 21वीं सीड कोको गौफ को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 6-2 से हराया। करियर में स्टेफेंस और गौफ के बीच यह पहला मैच हुआ। इस बीच. नौंवीं सीड स्पेन की गारबाइन मुगुरुजा ने जर्मनी की आंद्रिआ पेत्राकोविच को 6-4, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। तीसरी सीड और गत विजेता जापान की नाओमी ओसाका क्वालीफायर ओल्गा दानिलोविच के मेडिकल कारण की वजह से दूसरे दौर के मुकाबले से हटने के कारण तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। 2018 और 2020 की विजेता ओसाका ने तीसरे दौर में प्रवेश किया है। ओसाका ने पहले राउंड में मारिए बोउज्कोवा को सीधे सेटों में हराया था। सिमोना हालेप ने क्रिस्टीना कुकोवा को 68 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-1 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्थराइटिस

निराशा को बदलें आशा में

जोड़ों में सूजन और दर्द से संबंधित अर्थराइटिस नामक रोग के अनेक प्रकार हैं। इस मर्ज के कारण पीड़ित व्यक्ति का चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। दुनियाभर में खासकर भारत में अर्थराइटिस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। तभी तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस बीमारी के बढ़ने पर चिंता जतायी है।

ऑस्टियो अर्थराइटिस को दें आघात

आम तौर पर जिंदगी के उत्तरार्द्ध (50 साल की उम्र के बाद) में जोड़ों (ज्वाइंट्स) की कार्टिलेज के घिसने या उनमें टूट-फूट होने के कारण ऑस्टियो-अर्थराइटिस की समस्या पैदा होती है। यह साइनोवियल ज्वाइंट्स से संबंधित बीमारी है, जो धीरे-धीरे शरीर पर अपना दुष्प्रभाव दिखाती है। इस रोग के बढ़ने पर सबकॉन्ड्रल नामक हड्डी मोटी हो जाती है, जिस कारण ऑस्टियोफाइट (हड्डी का एक अंश) का निर्माण होने लगता है और अंतत-जोड़ टेढ़े-मेढ़े या तिरछे हो जाते हैं।

नई रिसर्च के नतीजे

- कुछ खास जेनेटिक कारण भी ऑस्टियो-अर्थराइटिस के लिए जिम्मेदार हैं।
- मैनोपॉज या रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनों के स्तर में बदलाव से महिलाओं में ऑस्टियो- अर्थराइटिस के होने का जोखिम बढ़ जाता है।
- मोटापे के कारण जोड़ों पर दबाव पड़ता है, जिसके कारण इन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में मोटापे से ग्रस्त रहने की संभावना ज्यादा रहती है।

लक्षण

- देश की महिलाओं में ऑस्टियो-अर्थराइटिस का असर उनके हाथों और घुटनों पर कहीं ज्यादा पड़ता है।
- जोड़ों में दर्द और सूजन होना।
- जोड़ों में जकड़न होना या फिर इनका जाम होना।
- चलने-फिरने और दैनिक कार्यो को करने में दिक्कत महसूस होना।
- फर्श पर बैठने-उठने और पाल्थी मारकर बैठने में परेशानी महसूस करना।

जांचें- विशेषज्ञ डॉक्टर जोड़ों की स्थिति का क्लीनिकल एग्जामिनेशन करते हैं कि जोड़ किस हद तक विकारग्रस्त हो चुके हैं और पीड़ित व्यक्ति की दिनचर्या पर कितना प्रतिकूल असर पड़ा है। इसके अलावा प्रमुख जांच एक्सरे है। रक्त परीक्षण भी कराए जाते हैं। रक्त परीक्षण से यह सुनिश्चित होता है कि किसी अन्य कारण से मरीज को अर्थराइटिस तो नहीं है।

शुरुआती इलाज - रोग की शुरुआती अवस्था में पेनकिलर्स का इस्तेमाल, मरहम या जेल, गर्म पानी से सिकाई या मालिश करना, सर्पोर्ट्टग उपकरण और व्यायाम कराए जाते हैं। इसके अलावा रोगी को कुछ विशिष्ट कॉन्डोजेनिक मेडिसिन्स (कार्टिलेज का पुनर्निर्माण करने वाली दवाएं) दी जाती हैं।

सर्जिकल इलाज- रोग की शुरुआती अवस्था में आर्थोस्कोपिक प्रक्रियाओं जैसे ज्वाइंट डिब्राइडमेंट (जोड़ के अंदर पालिश करना)आदि से कुछ हद तक राहत मिलती है।

हाई टिबियल ऑस्टियोटॅमी - अगर रोग का प्रकोप गंभीर अवस्था में नहीं हैं, तो और मरीज की उम्र लगभग 50 या 55 से कम है, तो इस स्थिति में हाई टिबियल ऑस्टियोटॅमी से राहत मिल जाती है और इस प्रकार जोड़ प्रत्यारोपण की संभावना स्थगित हो जाती है।

अंतिम कारगर इलाज - जब इलाज के उपर्युक्त विकल्पों से ऑस्टियो-अर्थराइटिस से ग्रस्त व्यक्तियों को राहत नहीं मिलती, तो इस स्थिति में पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपण (टोटल ज्वाइंट्स रिप्लेसमेंट) किया जाता है। ऐसे प्रत्यारोपण में प्रमुख रूप से घुटने और कूल्हे के प्रत्यारोपण को शामिल किया जाता है। घुटना (नी)और कूल्हा (हिप) प्रत्यारोपण के क्षेत्र में नवीनतन तकनीकों से युक्त ऐसे कृत्रिम घुटने व कृत्रिम कूल्हे आ चुके हैं, जो कुदरती स्वस्थ घुटने व कूल्हे की तरह ही कार्य करते हैं।

हिप अर्थराइटिस को हराएं

जब कूल्हे के जोड़ में दर्द की समस्या उत्पन्न हो जाए और कूल्हे की गतिविधि (मूवमेंट) में लगातार दिक्कत महसूस हो, तो इस स्थिति को सामान्य भाषा में कूल्हे (हिप) की अर्थराइटिस कहा जाता है।

देश में घुटने की अर्थराइटिस के मामले ज्यादा सामने आते हैं, लेकिन संपन्न विकसित देशों में कूल्हे की अर्थराइटिस के मामले घुटने की अर्थराइटिस से कहीं ज्यादा सामने आते हैं। इसके बावजूद यह भी सच है कि देश में युवा वर्ग के लोग भी कूल्हे की समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। जो युवक शराब का नियमित रूप से सेवन करते हैं, उनके कूल्हे की हड्डी में रक्त का संचार (सर्कुलेशन) कम होने लगता है और धीरे-धीरे कूल्हा कमजोर होने लगता है। इस समस्या को एवैस्कुलर नेक्रोसिस कहा जाता है।

कारण

कूल्हे की अर्थराइटिस के लिए पांच कारण प्रमुख रूप से जिम्मदार हैं..

- एवैस्कुलर नेक्रोसिस की समस्या।
- पोस्ट ट्रॉमेटिक अर्थराइटिस(कूल्हे की हड्डी में चोट लगने के कारण)।
- एनकाइलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस के कारण।
- यूमैटाइड अर्थराइटिस।
- टी.बी. के संक्रमण का दुष्प्रभाव।

लक्षण

- कूल्हे में दर्द का बरकरार रहना।
- चाल में लंगड़ाहट।
- पाल्थी मारने में विफल रहना।
- चलने फिरने की क्षमता का कम होना।

जांचे- एक्सरे और जरूरत पड़ने पर सीटी स्कैन और एमआरआई।

इलाज - अगर पीड़ित व्यक्ति का मर्ज शुरुआती स्थिति में है, तो उसे दवाएं लेने, फिजियोथेरेपी कराने और आराम करने की सलाह दी जाती है। जब अन्य चिकित्सकीय उपचार विफल हो जाते हैं, तब कूल्हे का प्रत्यारोपण (हिप रिप्लेसमेंट) ही एकमात्र कारगर विकल्प होता है। ऐसा प्रत्यारोपण लगभग 100 फीसदी सुरक्षित है। नवीनतम तकनीकों से तैयार हुए कृत्रिम कूल्हे अब काफी हद तक कुदरती स्वस्थ कूल्हे की तरह कार्य करते हैं। प्रत्यारोपण के बाद व्यक्ति खेलकूद और अन्य शारीरिक गतिविधियों में भाग ले सकता है।

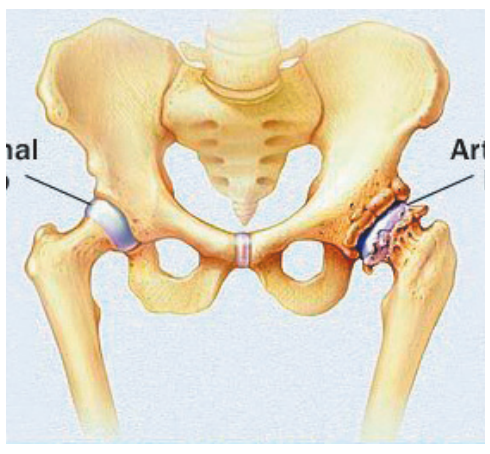

इस्कीमिक स्ट्रोक

लापरवाही बन सकती है जानलेवा

हाई ब्लडप्रेशर, मधुमेह (डाइबिटीज) के साथ अनियमित दिनचर्या और तनाव के कारण जीवन-शैली से संबंधित रोगों में तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे रोगों के बीच स्ट्रोक या ब्रेन अटैक शायद सबसे घातक है, लेकिन दुख की बात है कि लगातार इसके भयानक परिणाम बढ़ते जा रहे हैं।

इस्कीमिक स्ट्रोक की स्थिति

इस स्ट्रोक का अटैक रक्त प्रवाह ब्लड सर्कुलेशन में अवरोध उत्पन्न होने के कारण होता है। स्ट्रोक के कारण कुछ मस्तिष्क कोशिकाएं तुरंत ही मृत हो जाती हैं। स्ट्रोक के बाद मस्तिष्क का कुछ भाग ऐसा होता है, जो कार्य नहीं कर रहा होता है, लेकिन यह पूरी तरह से मृत भी नहीं होता है। इस स्थिति में यदि शीघ्र ही मस्तिष्क में रक्त की आपूर्ति की जाए, तो मस्तिष्क के इस भाग को बचाकर मरीज की स्ट्रोक से रिकवरी संभव है।

लक्षण- ब्रेन अटैक के लक्षणों को अंग्रेजी शब्द- फास्ट से सरल रूप से समझा जा सकता है।

एफ- फेस ड्रूपिंग यानी चेहरे का एक तरफ से लटक जाना या सुन्न हो जाना।

ए- आर्म वीकनेस यानी हाथों में अचानक सुन्नपन। यदि व्यक्ति से दोनों हाथों को उठाने के लिए कहा जाएगा, तो उसका एक हाथ नीचे की तरफ झुका रहेगा।

एस - स्पीच डिफिकल्टी यानी बोलने या समझने में अचानक दिक्कत।

टी- टाइम यानी बिना देरी किए शीघ्र ऐसे अस्पताल पहुंचें, जहां पर स्ट्रोक का इलाज संभव हो।

फास्ट के अतिरिक्त वे लक्षण जिन्हें जानना जरूरी है- अचानक दोनों आंखों से स्पष्ट देखने में तकलीफ

होना। अचानक से चलने या बैलेंस करने में परेशानी। चक्कर आना। अचानक बिना कारण सिर में तेज दर्द होना।

उपचार- इस्कीमिक स्ट्रोक में उपचार के अंतर्गत एक छोटे ट्यूब (कैथेटर) को पैर की खून की नली (धमनी या आर्टरी) के मार्ग से मस्तिष्क तक ले जाया जाता है। रक्त के जिस क्लॉट ने मस्तिष्क को रक्त पहुंचाने वाली नली को अवरुद्ध किया होता है, उसे एक विशेष विधि से मस्तिष्क से बाहर निकाल देते हैं। इस प्रक्रिया के बाद मस्तिष्क में रक्तसंचार सामान्य हो जाता है। इस कारण मरीज शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ करता है।

निरोग रहने के लिए क्या करें

- सिर को गर्मी से, छाती को सर्दी से तथा आंखों को तेज हवा, धूल-मिट्टी, धुएं और तेज रोशनी से बचाकर रखें।
- कृत्रिम सौंदर्य प्रसाधनों (कास्मैटिक्स, मेकअप) का प्रयोग न करें, क्योंकि ये त्वचा के रोमछिद्रों को बंद करके त्वचा को नुक्सान पहुंचाते हैं।
- मल, मूत्र, उल्टी, छींक, डकार, भूख, प्यास आदि वेगों को कभी न रोकें, क्योंकि इन्हें रोकने से रोग उत्पन्न होते हैं।
- गर्म भोजन करने के बाद, दूध पीने के बाद, खीरा, तरबूज, खरबूजा और ककड़ी खाने के बाद, सो कर उठने के तुरंत बाद तथा अधिक शारीरिक परिश्रम के तुरंत बाद पानी न पिएं।
- मन में कामुक विचार न लाएं, कामुक चिंतन से बचें।
- हमेशा सभी के लिए मन में शुभ विचार रखें, हमेशा मुस्कुराते रहें।
- हर परिस्थिति में शांत, सहज बने रहें, हमेशा प्रसन्नचित रहें।
- कोई भी कार्य जल्दबाजी में न करें। ऐसा करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।
- ज्यादा ऊंची हील वाले चप्पल-जूते न पहनें, ये स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालते हैं।
- हमेशा ढीले-ढाले वस्त्र पहनें,अत्यधिक तंग वस्त्र शरीर के अंगों पर अनावश्यक दबाव डालते हैं।
- कड़े बिस्तर पर सोएं, बिस्तर अत्यधिक मुलायम और गद्देदार नहीं होना चाहिए।

बच्चों और किशोरों में अर्थराइटिस

लगभग 6 महीने से 18 वर्ष तक के हर 250 बच्चों या किशोरों में से एक बच्चा या किशोर किसी न किसी प्रकार की गठिया (अर्थराइटिस)से पीड़ित है। बच्चों को प्रभावित करने वाली गठिया लगभग 16 प्रकार की होती है, परन्तु इनमें से मुख्य रूप से जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस, यूमैटिक अर्थराइटिस,इंट्रो-अर्थराइटिस, एक्यूट ट्रांजिएंट अर्थराइटिस, सेप्टिक अर्थराइटिस, ट्यूबरकुलर अर्थराइटिस आदि मुख्य रूप से बच्चों और किशोरों को प्रभावित करते हैं। इलाज द्वारा इन रोगों पर इस हद तक काबू पाना कि वह बच्चे की पढ़ाई या रोजमर्रा की जिंदगी में बाधा न बने अपने आप में एक चुनौती है।

जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस

जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस गठिया से प्रभावित लगभग 10 प्रतिशत बच्चों में पाया जाता है। हर 1000 बच्चों में से एक बच्चा इससे प्रभावित होता है। भारत में लगभग 15 लाख बच्चे इससे पीड़ित हैं। आम तौर पर यह अर्थराइटिस 16 वर्ष की आयु से पहले कभी भी हो सकता है। यह रोग शरीर के रोग-प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) में विकार आने से उत्पन्न होता है। लगभग 60 प्रतिशत प्रभावित बच्चों में इसका सीधा संबंध माइकोप्लाज्मा नामक जीवाणु से माना जाता है।

लक्षण

- एक या एक से अधिक जोड़ों में दर्द और सूजन का होना।
- बुखार आना।
- आंखों में सूजन और लालिमा का होना।
- उपर्युक्त लक्षण छह हफ्ते से लेकर तीन महीने तक कायम रह सकते हैं।
- रक्त में हीमोग्लोबिन का कम होना और व्हाइट ब्लड सेल्स ज्यादा पायी जाती हैं।

इलाज- यदि जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस का विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा समय से इलाज कराया जाए, तो जोड़ों को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। ज्यादातर बच्चों को सूजन की दवाओं के अतिरिक्त डिजीज मॉडीफाइंग ड्रग्स भी देनी पड़ती हैं।

यूमैटिक अर्थराइटिस- यूमैटिक अर्थराइटिस की शुरुआत गला खराब करने वाले स्ट्रेप्टोकोक्कॅल नामक जीवाणुओं द्वारा होती है। इसलिए इसे पोस्ट-स्ट्रेप्टोकोक्कॅल अर्थराइटिस भी कहते हैं। अक्सर यह अर्थराइटिस यूमैटिक फीवर के साथ शुरू होती है और कभी-कभी इससे हृदय भी प्रभावित होता है, जिसे यूमैटिक हार्ट डिजीज के नाम से जाना जाता है। इस रोग की जांचों में ए. एस. ओ. टाइटर का बढ़ा होना, ई. एस. आर. और सी. आर. पी. का बढ़ा होना पाया जाता है। इसमें 16 से 17 वर्ष की उम्र तक इलाज कराना पड़ता है।

बच्चों और किशोरों में तीसरे प्रकार की गठिया स्पॉन्डिलोआर्थो पैथी समूह से संबंधित है और यह भी शरीर के रोगप्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) में विकार आने से उत्पन्न होती है। आम तौर पर इस प्रकार की गठिया (अर्थराइटिस) में मेरुदंड (स्पाइनल कॉर्ड) और हाथ व पैर के बड़े जोड़ प्रभावित होते हैं। इसमें भी विशेष प्रकार की इम्यूनो-मॉड्यूलेटर दवाओं की आवश्यकता होती है।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कैल्शियम को सदा से ही मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक माना जाता रहा है किन्तु नए शोधों के अनुसार इसके अतिरिक्त भी कैल्शियम हमारे शरीर के लिए कई बीमारियों को दूर रखने में सहायता करता है। हड्डियां हमारे शरीर के लिए कैल्शियम के स्टोर का कार्य करती हैं जहां से आवश्यकतानुसार शरीर कैल्शियम लेता रहता है।

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया हेतु विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नवीन शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का निम्न रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

उच्च रक्तचाप - मनुष्य के रक्तचाप पर कई चीजों का प्रभाव पड़ता है। शरीर का वजन, शारीरिक गतिविधि, नमक व पारिवारिक पृष्ठभूमि का रक्तचाप पर प्रायः प्रभाव पड़ता है किन्तु अब शोधों से पता चला है कि शरीर में कैल्शियम की कमी से आयु के साथ रक्तचाप में भी प्रभाव पड़ता है।

1997 में अमरीका में पाया गया है कि कम वसा वाले दूध, फल और सब्जियों के नियमित प्रयोग से (जिसमें लगभग 1200 मिलीग्राम कैल्शियम हो) रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। यह नहीं कि कैल्शियम के साथ नमक अधिक लिया जाए किन्तु अधिक नमक और कम कैल्शियम खाने वाले व्यक्ति में उच्च रक्तचाप की संभावना बढ़ जाती है।

डा. डेविड मैकरोन के अनुसार कम नमक वाले भोजन के स्थान पर दूध से बने पदार्थ उच्च रक्तचाप को काबू करने में अधिक प्रभावशाली हैं। उनके अनुसार अधिकतर बच्चे कैल्शियम की सही मात्रा नहीं लेते क्योंकि वे दूध, फल और सब्जी का सही मात्रा में सेवन नहीं करते।

कैंसर - हमारे शरीर में बहुत से सैल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं । पेट के अंदर ऐसे सैल प्रायः 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सैल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमरीकन मैडीकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सैलों में बढ़ौतरी ठीक हो गई।

मासिक धर्म - प्रायः महिलाओं को मासिक धर्म प्रारंभ होने से पूर्व कई तकलीफें होती हैं। सूसन थाई जैकब के अनुसार इसके लिए भी कैल्शियम की कमी ही उत्तरदायी है। उन्होंने 466 महिलाओं को 1200 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन दिया और पाया कि अधिकतर महिलाओं की तकलीफें 48 प्रतिशत कम हो गईं। उनको होने वाली दर्द में भी कमी हुई।

यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिलीलीटर गाय के दूध में 288 मिलीग्राम कैल्शियम होता है जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिलीग्राम कैल्शियम होता है जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। इसके अतिरिक्त गूड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी और मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

नेपाल के साथ चीन का चल रहा है सीमा विवाद, गठित की जाएगी समिति

काठमांडू। नेपाल सरकार ने देश के उत्तरी हिमालयी क्षेत्र में चीन के साथ सीमा मुद्दों को लेकर एक समिति बनाने का फैसला किया है। समिति बनाने का फैसला बुधवार को प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के बालूवतार स्थित सरकारी आवास पर हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया गया। सरकार के प्रवक्ता ज्ञानेंद्र बहादुर कार्की ने कहा कि समिति हुमला जिले में लिमी लापचा से लेकर नमखा ग्रामीण नगरपालिका के हिलसा तक, नेपाल-चीन सीमा से संबंधित समस्याओं का अध्ययन करेगी। चीन ने कथित तौर पर नेपाली भूमि पर अतिक्रमण कर पिछले साल हुमला में नौ इमारतें बनाई थीं। मुख्य जिला अधिकारी के नेतृत्व में एक सरकारी टीम ने भी स्थल पर अध्ययन किया है। हालांकि टीम की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने नेपाल के क्षेत्र में चीन के अतिक्रमण की खबरों को खारिज कर दिया था। सरकार के प्रवक्ता और कानून, न्याय व संसदीय मामलों के मंत्री कार्की ने कहा कि नयी समिति में सर्वेक्षण विभाग, नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस और सीमा विशेषज्ञों के अधिकारी शामिल होंगे। इसका गठन गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव के समन्वय के तहत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समिति गृह मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपेगी। हालांकि, समिति के लिए रिपोर्ट जमा करने की कोई समय सीमा तय नहीं की गई है।

अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी में एक छात्र की मौत, संदिग्ध की तलाश

विन्सटन-सलेम। अमेरिका में नॉर्थ कैरोलाइना के एक हाई स्कूल में गोलीबारी में एक छात्र की मौत हो गयी। अधिकारी संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। विन्सटन-सलेम पुलिस प्रमुख कैटरीना थॉम्पसन ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि माउंट टेबर हाई स्कूल को तत्काल बंद कर दिया गया है और पुलिस अधिकारी संदिग्ध की तलाश के लिए दोपहर बाद वहां पहुंचे। उनका मानना है कि संदिग्ध स्कूल का ही कोई विद्यार्थी है। थॉम्पसन ने बताया कि घायल छात्र को एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गयी। मृतक छात्र की पहचान विलियम चैविस रेनार्ड मिलर जूनियर के तौर पर की गयी है।

अमेरिका में निजी कंपनियों ने अगस्त में 374,000 नौकरियां दी

वाशिंगटन। अमेरिका में निजी कंपनियों ने अगस्त में 374,000 नौकरियों को जोड़ा, जो उम्मीद से कम है, जो डेल्टा संस्करण-ईंधन वाले कोविड -19 पुनरुत्थान के बीच धीमी श्रम बाजार में सुधार का संकेत है। एडीपी के मुख्य अर्थशास्त्री नेला रिचर्डसन ने कहा, बुधवार को जारी लेटेस्ट आंकड़ों ने श्रम बाजार में सुधार में गिरावट को बताया है। हमने साल की पहली छमाही से महत्वपूर्ण नौकरी वृद्धि के बाद, नए कर्मचारियों में गिरावट देखी है। हालांकि, जुलाई में निजी कंपनियों ने नीचे की ओर संशोधित 326,000 नौकरियों को दिया है, जो दूसरी तिमाही से एक उल्लेखनीय मंदी रही। मंदी के बावजूद, रिचर्डसन ने कहा कि इस साल नौकरी का लाभ 4 मिलियन के करीब पहुंच रहा है, जबकि यह अभी भी पूर्व-महामारी के स्तर से 7 मिलियन कम है। रिचर्डसन ने कहा, सेवा प्रदाताओं ने विकास का नेतृत्व करना जारी रखा,महीने में 329,000 नौकरियां जोड़ी गई है। हालांकि डेल्टा वैरिएंट इस क्षेत्र के लिए अनिश्चितता पैदा किया है, अवकाश और आतिथ्य को ध्यान में रखते हुए 201,000 नौकरी का लाभ हुआ। बड़ी फर्मों और मध्यम आकार के व्यवसायों ने क्रमशः लगभग 138,000 और 149,000 कर्मचारियों को काम पर रखा, जबकि छोटी कंपनियों ने कुछ 86,000 कर्मचारियों को जोड़ा, जैसा कि एडीपी की रिपोर्ट में दिखाया गया है, जो विभिन्न कंपनी आकारों में असंतुलित वसूली का संकेत देता है। श्रम विभाग के श्रम सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी की जाने वाली महत्वपूर्ण मासिक रोजगार रिपोर्ट से दो दिन पहले एडीपी रिपोर्ट आई, जिसमें निजी क्षेत्र और सरकार दोनों के रोजगार डेटा शामिल है।

ड्राइवर की कमी और ब्रेक्सिट डील का ब्रिटेन के खुदरा विक्रेताओं पर पड़ सकता है असर: रिपोर्ट

लंदन, । ब्रिटेन के खुदरा विक्रेताओं को आने वाले महीनों में ड्राइवरों की कमी का सामना करना पड़ सकता है और ब्रेक्सिट डील का ब्रिटेन के खुदरा विक्रेताओं पर असर पड़ सकता है। एक उद्योग रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। दुकान मूल्य अपस्फीति इस साल जुलाई में 1.2 प्रतिशत थी जो अगस्त में और भी अधिक घटकर 0.8 प्रतिशत पर आ गई है। यह डेटा बुधवार को ब्रिटिश रिटेल कंसोर्टियम और रिसर्च ग्रुप नीलसनआईक्यू से सामने आया हैं। न्यूज एजेंसी ने एक रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि यह गिरावट 12 से 6 महीने की औसत कीमत से 1.5 प्रतिशत 1.2 प्रतिशत की गिरावट की तुलना में बहुत धीमी है। हालांकि यह अच्छी खबर भी है क्योंकि कुल खुदरा कीमतों में साल दर साल गिरावट आई है, पिछले महीने अगस्त में भी कीमतों में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि शिपिंग में देरी और माइक्रोचिप्स की कमी जैसे वैश्विक मुद्दों के कारण कुछ गैर-खाद्य श्रेणियों, जैसे कि इलेक्ट्रोनिक्स में पिछले साल की तुलना में मुद्रास्फीति में तेज वृद्धि देखी गई थी। फूड रिटेलर्स अपनी कीमतों को कम रखने के लिए लड़ रहे हैं, बढ़ती कमोडिटी और शिपिंग की लागत के साथ-साथ ब्रेक्सिट से संबंधित रेट टेप के बढ़ते दबाव का मतलब है कि यह ज्यादा समय तक टिका नहीं रहने वाला है। इस को देखते हुए आने वाले महीनों में खाने की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। इसी के साथ रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एचजीवी (हैवी गुड्स व्हिकल्स) के 90 हजार ड्राइवरों की कमी ने इस समस्या को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। ब्रिटिश रिटेल कंसोर्टियम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेलेन डिकिंसन ने ब्रिटेन सरकार से मांग की है कि एचजीवी ड्राइवर परीक्षणों की संख्या को बढ़ाया जाए और यूरोपीय संघ ड्राइवरों के लिए अस्थायी वीजा प्रदान करे। इसके साथ ही उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि एचजीवी ड्राइवर ट्रेनिंग को वित्त पोषित करने के तरीके में भी बदलाव होने चाहिएं।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाक ने दिखायाअपना असली चेहरा, सीमा बंद किया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने पिछले महीने अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद शरणार्थियों का तांता लगने के डर से पड़ोसी देश से लगे प्रमुख सीमा पारगमन (क्रासिंग) को बृहस्पतिवार को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि खैबर पख्तूनख्वा में तोरखम वाणिज्यिक शहर के बाद अफगानिस्तान से लगे दूसरे सबसे बड़े वाणिज्यिक सीमा बिंदुचमन बॉर्डर क्रॉसिंगको सुरक्षा खतरों के कारण बंद कर दिया गया है। इससे पहले दिन में, गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने कहा था कि सुरक्षा खतरों के कारण चमन क्रॉसिंग को कुछ दिनों के लिए बंदकिया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम कुछ समय के लिए चमन क्रॉसिंग को बंद कर देंगे। उन्होंने यह नहीं बताया कि सीमा कब तक बंद रहेगी। मंत्री ने कहा कि सीमा और उसके आसपास शांति है। राशिद ने कहा, ÷हमारी सेना सीमा पर मौजूद है।

देश की सुरक्षा के लिए वे जो सेवा कर रहे हैं, उसके लिए हमें अपने सुरक्षा संस्थानों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता चाहता है और अफगानिस्तान में शांति पाकिस्तान में अमन के लिए महत्वपूर्ण है। क्रॉसिंग पाकिस्तान के सीमावर्ती शहर चमन को अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में स्पिन बोल्डक से जोड़ती है और दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए अफगानों द्वारा अक्सर उपयोग किया जाता है। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार हजारों अफगान पाकिस्तान में घुसने के लिए क्रॉसिंग के आसपास जमा हो रहे हैं। पाकिस्तानपहले ही घोषणा कर चुका है कि वह और अधिक शरणार्थियों को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। साल 1979 में अफगानिस्तान पर तत्कालीन यूएसएसआरके आक्रमण के बाद से लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थी पाकिस्तान में रह रहे हैं। पाकिस्तान के अधिकारियों ने आशंका व्यक्त की है कि अगर सीमा नियमों में ढील दी गई तो लगभग दस लाख और अफगान देश में घुस जाएंगे। फिलहाल, अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान की 2,500 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा के 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर बाड़ लगा दी गई है और केवल एक दर्जन क्रॉसिंग पॉइंट ही वैध यात्रा दस्तावेज

रखने वालों को प्रवेश की अनुमति दी जा रही है।

बगराम वायुसेना अड्डा हथियाना और पाकिस्तान को भारत के खिलाफ करना चाहता है चीन: निक्की हेली

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की एक वरिष्ठ राजनयिक ने आगाह किया कि तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के बाद अमेरिका को चीन पर करीबी नजर रखने की आवश्यकता है क्योंकि वह युद्धग्रस्त देश में बगराम वायु सेना अड्डे पर कब्जा जमाने की कोशिश तथा भारत के खिलाफ मजबूत स्थिति हासिल करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व दूत निक्की हेली ने कहा कि अफगानिस्तान से अचानक सेना को वापस बुलाने के फैसले के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन अमेरिका के सहयोगियों का विश्वास और भरोसा खो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के सामने कई चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि उसके नागरिक सुरक्षित रहे और देश की साइबर सुरक्षा मजबूत रहे क्योंकि ''रूस जैसे तत्व हमें हैक करना जारी रखेंगे क्योंकि हमने वापस लड़ने की इच्छा का कोई संकेत नहीं दिखाया।'' हेली ने कहा, ''हमें चीन पर नजर रखने की आवश्यकता है क्योंकि मुझे लगता है कि आप चीन को बगराम वायु सेना अड्डे तक कदम बढ़ाते देख सकेंगे। मुझे लगता है कि वे अफगानिस्तान में भी पैर जमा रहे हैं और भारत के खिलाफ मजबूत स्थिति बनाने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे है। इसलिए हमारे सामने कई चुनौतियां हैं।'' अमेरिकी सेना ने तकरीबन 20 साल बाद इस साल जुलाई में बगराम वायु सेना अड्डा छोड़ दिया था जो अफगानिस्तान में उसका अहम सैन्य अड्डा था। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख दोस्तों तथा सहयोगियों से सम्पर्क कर उन्हें आश्वासन दे कि अमेरिका सदैव उनका साथ देगा।

जल्द काबुल में चीन करेगा त्रिपक्ष बैठक, रूस ने पेश किया था प्रस्ताव; तालिबान के साथ होगा पहला सम्मेलन

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने अफगानिस्तान के संबंध में विस्तारित 'त्रोइका' (त्रिपक्ष) की एक नयी बैठक काबुल में बुलाने के रूसी प्रस्ताव पर बृहस्पतिवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। पिछले महीने तालिबान द्वारा देश की सत्ता पर कब्जा करने के बाद इस तरह का यह पहला सम्मेलन होगा। रूसी समाचार एजेंसी स्पूतनिक ने रूस के उप विदेश मंत्री इगोर मोर्गुलोव के हवाले से कहा कि रूस की योजना वाणिज्यिक उड़ानों की बहाली के बाद काबुल में अफगानिस्तान पर विस्तारित 'त्रोइका की एक नयी बैठक बुलाने की है। मोर्गुलोव ने कहा, ''हम मानते हैं कि हमें अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ संयुक्त रूप से तत्काल स्थायित्व के लिए योगदान देना चाहिए। इसके लिए, हम स्थितियों के अनुकूल होते ही काबुल में विस्तारित त्रोइका की एक नयी बैठक बुलाने की योजना बना रहे हैं, जिसमें रूस, अमेरिका, चीन और पाकिस्तान शामिल हैं। मैं मुख्य रूप से वाणिज्यिक नागरिक विमानों की उड़ानों के लिए काबुल हवाई अड्डे के संचालन

को फिर से शुरू करने का उल्लेख करता हूं।'' तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने मंगलवार को मीडिया को बताया था कि काबुल हवाई अड्डे को आम लोगों के लिए फिर से खोलने के प्रयास जारी हैं।

रूसी प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका की वापसी के बाद अफगानिस्तान की बदलती स्थिति पर चीन और रूस करीबी संपर्क बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा, अफगान मुद्दे के उचित हल के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भागीदारी और समर्थन की जरूरत है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान को लेकर कई तंत्र हैं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी विशेषताएं हैं और वे एक दूसरे की पूरक हैं। चीन अफगान मुद्दे पर संबंधित पक्षों के साथ करीबी समन्वय बनाए हुए है। उन्होंने कहा, चीन और रूस के बीच सभी स्तरों पर घनिष्ठ रणनीतिक संचार समन्वय है। नयी परिस्थितियों में, चीन अफगानिस्तान और काबुल में स्थिति को सामान्य बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करता रहेगा। इससे पहले विस्तारित 'त्रोइका' की बैठक 11 अगस्त को कतर में हुई थी। इस प्रारूप के तहत वार्ता पहले 18 मार्च और 30 अप्रैल को हुई थी। करीब दो दशक तक चले खर्चीले युद्ध के बाद अमेरिकी सैनिकों की अगस्त के आखिर में वापसी की अंतिम तारीख से 15 दिन पहले ही तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया और राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़ कर संयुक्त अरब अमीरात चले गए। अमेरिका के लिए यह बिल्कुल नयी स्थिति है क्योंकि 'त्रोइका' की बैठक से पहले न केवल तालिबान ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया है बल्कि अमेरिकी सैनिकों को, काबुल हवाई अड्डे पर देश छोड़ कर जाने के लिए एकत्र अफगान लोगों की भीड़ के बीच, जल्दबाजी में वापस बुलाना पड़ा।

अफगानिस्तान में रेस्क्यू मिशन कामयाब होने के बाद अमेरिकी सैनिकों ने बताया आखिरी मंजर

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान से अमेरिकी की वापसी की प्रक्रिया 31 अगस्त को पूरी हो चुकी है। लेकिन इस मिशन के अंतिम दिन के मंजर अब भी अमेरिकी सेना के पायलटों और चालक दल के सदस्यों के जेहन में ताजा हैं। इस मिशन के तहत उड़ान भरने वाले अंतिम विमान के चालक दल के सदस्य बताते हैं कि उस दिन आकाश आतिशबाजी और छिटपुट गोलीबारी से जगमगा रहा था और हवाई क्षेत्र हवाई जहाजों के मलबे और नष्ट किए गए उपकरणों से अटा पड़ा था। अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के अंतिम दिन 31 अगस्त को काबुल हवाई अड्डे पर पांच अंतिम सी-17 विमान कतार में खड़े थे, जिनके जरिये अमेरिका को अमेरिकी और अफगान नागरिकों को देश से निकालना था। मिशन के अंतिम घंटो के दौरान रनवे पर इन विमानों की हिफाजत के लिये कोई रॉकेट रक्षा प्रणाली नहीं थी। साथ हवाई अड्डे के नियंत्रण केंद्र (एटीसी) पर इन विमानों को निर्देश देने वाला भी कोई नहीं था। वायु सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल ब्रैडन कोलमैन उस मंजर को भयावह बताते हुए कहते हैं कि 'सर्वनाश जैसा मंजर' था। कोलमैन अपने विमान की सुरक्षा के प्रभारी थे। उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा था, जैसे हम कोई डरावनी फिल्म देख रहे हों। जहां सारे विमान हवाईअड्डे पर नष्ट नजर आ रहे थे। एक विमान था जो पूरी तरह जला हुआ था।

काबुल हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले अमेरिकी वायुसेना के अंतिम विमान के चालक दल के सदस्यों ने बुधवार को एसोसिएटिड प्रेस को दिए साक्षात्कार में उस दिन के अपने अनुभवों को साझा किया। पांच विमानों में सबसे अंत में उड़ान भरने वाले एमओओएसई81 विमान की पायलट एयरफोर्स कैप्टन किरबी वेडान ने कहा, मैं निश्चित रूप से बहुत तनाव में थी। हम बस यही चाह रहे थे कि सबकुछ ठीक रहे और हम उड़ान भरकर यहां से सही-सलामत रवाना हो जाएं। उन्होंने कहा कि हमारे विमान हवाई अड्डे के उस क्षेत्र में खड़े थे, जहां पर पहले हमला हुआ था। रात के समय एक बार आम नागरिकों का एक समूह वायु क्षेत्र में आकर विमान में चढ़ने की कोशिश करने लगा, लेकिन विमान की सुरक्षा में तैनात सैनिकों ने उन्हें रोक दिया। इलिनोइस में स्कॉट एयर फोर्स बेस से, एयर मोबिलिटी कमांड के कमांडर जनरल जैकलीन वैन ओवोस्ट इस मिशन की निगरानी कर रहे थे। वह हवाई अड्डे पर मौजूद अधिकारियों के संपर्क में थे। अमेरिकी सेना के 82वें एयरबोर्न डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल क्रिस डोनह्यू अंतिम सी-17 विमान में सवार होने वाले आखिरी सैनिक थे। वह निकासी मिशन के लिए सुरक्षा के प्रभारी थे। विमान के उड़ान भरने के तुरंत बाद उन्होंने संदेश भेजा, शाबाश, हमें आप सभी पर गर्व है।

अफगानिस्तान में हो सकता है गृह युद्ध! पाक विदेश मंत्री ने दिए संकेत

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी को एक गैरजिम्मेदाराना और अव्यवस्थित कदम करार देते हुए बुधवार को कहा कि यदि पश्चिमी देश तालिबान के साथ संवाद करने में विफल रहे तो वहां गृह युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। पाकिस्तान के टेलीविजन समाचार चैनल जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक कुरैशी ने अफगानिस्तान में संभावित अराजकता और आतंकवाद के फिर से सिर उठाने के खतरे को लेकर आगाह करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में युद्ध समाप्त करने के बारे में पाकिस्तान की चिंताओं को दरकिनार किया गया और गैरजिम्मेदाराना तरीके से सैनिकों को वापस बुला लिया गया।

अमेरिकी सैनिकों को लेकर आखिरी सी-17 मालवाहक विमान ने मंगलवार तड़के काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी, जिसके साथ ही अफगानिस्तान में अमेरिका का 20 वर्ष लंबा सैन्य अभियान समाप्त हो गया। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा, अफगानिस्तान में अराजकता फैल सकती है और इससे उन संगठनों को जगह मिलेगी जिनसे हम सभी डरते हैं। हम नहीं चाहते कि अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान में अपनी जड़ें मजबूत करें। कुरैशी ने कहा कि पश्चिम को अब यह सुनिश्चित करने के लिए नई तालिबान सरकार का परीक्षण करना चाहिए कि वह अपने वादों को पूरा करती है कि नहीं। उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम तालिबान के साथ बातचीत नहीं करता है, तो अफगानिस्तान एक और गृहयुद्ध का शिकार हो सकता है और इस क्षेत्र में आतंकवाद की एक नयी लहर फैल सकती है।

आतंकी संगठन आईएसआईएस-के भारत में कर सकता है बड़ा बम धमाका, निशाने पर नेता और धार्मिक स्थल, खुफिया एजेंसी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठन आईएसआईएस खुरासान भारत में बड़ा धमाका कर सकता है। खुफिया एजेंसियों की ओर से हमले का अलर्ट जारी किया गया है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक आईएसआईएस-के के प्रशिक्षित आतंकी भारत में धमाके कर सकते हैं। आर्तकियों के निशाने पर हिन्दू मंदिर, नेता और भीड़भाड़ वाली जगह को निशाना बना सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अफगान-पाक में मौजूद आतंकी संगठन के आलाकमान ने भारत में मौजूद अपने स्लीपर सेल से संपर्क किया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि भारत में मौजूद आर्तकियों को आईइडी और छोटे हथियारों के लिए फंड का भरोसा दिया है। कश्मीर और बैंगलोर के आतंकी गुट के पकड़े गए सदस्यों के जरिये ये खुलासा हुआ है। कहा जा रहा है पकड़े गए आतंकी गुट के सदस्य अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ऑपरेटर के संपर्क में थे। खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएसआईएस खुरासान के लोग भारत में भीड़भाड़ वाली जगहों के अलावा विदेशियों को भी निशाना बना सकते हैं। आईएसआईएस-के का तालमेल पाकिस्तान के कई आतंकी संगठनों से है और उसकी कोशिश है कि किसी भी तरीके से किसी बड़े हमले को अंजाम दिया जाए।

आईएसआईएस में शामिल हुए 25 भारतीय

एक दिन पहले ही अफगान में 25 भारतीयों के आईएसआईएस में शामिल होने की खबर सामने आई थी। ये सभी भारतीय अफगानिस्तान की जेलों में बंद थे लेकिन हाल ही में जेल से निकल गए हैं। जानकारी के मुताबिक, आईएसआईएस-के इन सभी लोगों का इस्तेमाल भारत में आतंक फैलाने के लिए भी कर सकता है। हाल ही में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासान से जुड़े केरल के रहने वाले 14 लोगों का भी पता चला था, जो काबुल में हमले की योजना बनाने में शामिल थे।

एमपी में ट्रेन ब्लास्ट की कोशिश और लखनऊ एनकाउंटर के बाद चर्चा में आया ये मॉड्यूल

इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान के नक्शे में भारत का गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और जम्मू कश्मीर आता है। वहीं इसमें आधा चीन, पाकिस्तान, ईरान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान आता है। मध्य प्रदेश में ट्रेन ब्लास्ट की कोशिश और यूपी की राजधानी लखनऊ में हुए एक एनकाउंटर के बाद आतंकी संगठन आईएसआईएस के खुरासान मॉड्यूल का नाम अचानक चर्चा में आया था। इस आतंकी संगठन की जम्मू-कश्मीर में गहरी पैठ बताई जाती है। यह आतंकी संगठन लगातार भारत में गजवा-ए-हिंद एजेंडे के तहत युवाओं को आतंकी बनाने की कोशिश में लगा है।

सार समाचार

त्रिपुरा विधानसभा अध्यक्ष ने पद से इस्तीफा दिया

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा अध्यक्ष रेबती मोहन दास ने अचानक व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। त्रिपुरा विधानसभा के सचिव बिष्णु पाड़ा कर्माकर ने अप्रत्याशित घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए आईएएनएस को बताया कि दास ने अपना इस्तीफा उपाध्यक्ष बिस्वा बंधु सेन को सौंप दिया है। दास एक पूर्व माकपा नेता हैं, जो 2016 में भाजपा में शामिल हुए थे और पश्चिमी त्रिपुरा के प्रतापगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भगवा पार्टी के टिकट पर 2018 के चुनावों में राज्य विधानसभा के लिए चुने गए थे। प्रदेश अध्यक्ष माणिक साहा और मुख्य प्रवक्ता सुब्रत चक्रवर्ती सहित भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भाजपा विधायकों और नेताओं के एक वर्ग द्वारा खुली नाराजगी के बीच, तीन नए चेहरों - राम प्रसाद पॉल, सुशांत चौधरी, भगवान चंद्र दास को मंगलवार को भाजपा-आईपीएफटी गठबंधन के पहले विस्तार में त्रिपुरा मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। पार्टी 2018 के विधानसभा चुनाव में वाम दलों को हराने के बाद सत्ता में आई थी।

मोहन भागवत सितंबर में दो चरणों में राजस्थान का करेंगे दौरा

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत इसी महीने राजस्थान के दौरे पर रहेंगे। पहले चरण में वह 17 सितंबर से 20 सितंबर तक चित्तौड़गढ़ प्रांत में जबकि दूसरे चरण में 24-26 सितंबर तक जोधपुर प्रांत में रहेंगे। क्षेत्र संघचालक (क्षेत्रीय प्रमुख) डॉ रमेश अग्रवाल के अनुसार भागवत तीन दिन उदयपुर और एक दिन भीलवाड़ा भी जाएंगे। कोविड प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन किया जाएगा और इस यात्रा के दौरान कोई सार्वजनिक सभा नहीं होगी। आरएसएस प्रमुख साल में एक बार प्रत्येक प्रांत का दौरा करते हैं। पिछले साल वह जयपुर आए थे और इस बार चित्तौड़गढ़ और जोधपुर प्रांतों (प्रांतों) में सात दिवसीय प्रवास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यहां वे संभावित तीसरी लहर से बचाव के लिए आरएसएस के काम, सेवा कार्य, गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा करेंगे। वहीं एक दिवसीय कार्यक्रम भीलवाड़ा में भी होगा।

AAP की तिरंगा यात्रा के दौरान कई लोगों के मोबाइल फोन चोरी

नोएडा (उप्र)। आम आदमी पार्टी द्वारा बुधवार को गौतम बुद्ध नगर में आयोजित की गई तिरंगा यात्रा में शामिल हुए कई लोगों के मोबाइल फोन चोरी हो गए। मामले में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक युवक को पकड़ कर सेक्टर-39 की पुलिस के हवाले किया है। हालांकि, उसके पास से चोरी का कोई मोबाइल फोन बरामद नहीं हुआ है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी राजीव बालियान ने बताया कि आम आदमी पार्टी के नेता अशोक कमांडो ने थाना सेक्टर-39 में शिकायत दर्ज कराई कि वह कल पार्टी द्वारा गौतम बुद्ध नगर में आयोजित की गई एक तिरंगा यात्रा में भाग लेने के लिए सेक्टर-37 गए थे। यात्रा के दौरान मीनाक्षी, मनमोहन, मनजीत भाटी, शंकर, राधिका सहित कई लोगों के मोबाइल फोन चोरी हो गए। उन्होंने बताया कि शक होने पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने फिरोज नामक एक व्यक्ति को पकड़ा तथा कथित तौर पर उसकी जमकर पिटाई की और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, उसके पास से चोरी का कोई मोबाइल फोन बरामद नहीं हुआ है। उससे पूछताछ की जा रही है।

आयुष मंत्रालय ने औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाया

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय औषधीय पौधे बोर्ड (एनएमपीबी) ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। अभियान के दौरान देशभर में अगले एक साल में 75,000 हेक्टेयर भूमि पर औषधीय पौधों की खेती की जाएगी। मंत्रालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रंखला में यह कार्यक्रम दूसरे नंबर पर है। अभियान की शुरुआत उत्तर प्रदेश के सहारनपुर और महाराष्ट्र के पुणे से हुई। उत्तर प्रदेश में यह अभियान उत्तर प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री धर्म सिंह सैनी, एनएमपीबी के अनुसंधान अधिकारी सुनील दत्त और आयुष मंत्रालय के अधिकारियों की उपस्थिति में शुरू किया गया था। औषधीय पौधों की पांच प्रजातियां, जिनमें रात में फूलने वाली चमेली (पारिजात), गोल्डन एप्पल (बेल), मागोर्सा ट्री (नीम), भारतीय जिनसेंग (अश्वगंधा) और भारतीय ब्लैकबेरी (जामुन) शामिल हैं, को 150 किसानों को मुफ्त में वितरित किया गया। इस दौरान किसानों को अलग से 750 जामुन के पौधे निः शुल्क वितरित किए गए। ऐसा ही एक कार्यक्रम पुणे में आयोजित किया गया था।

कैसीआर ने दिल्ली में टीआरएस कार्यालय की रखी आधारशिला

दिल्ली/हैदराबाद। दो दशक पुरानी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने एक नया मुकाम हासिल करते हुए गुरुवार को नई दिल्ली में अपने कार्यालय भवन का काम शुरू कर दिया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और टीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने वसंत विहार में पार्टी भवन की आधारशिला रखी। पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच दोपहर 1.48 बजे शुभ मुहूर्त में शिलान्यास किया गया। समारोह में केसीआर के कैबिनेट सहयोगी, सांसद, राज्य के विधायक और पार्टी के कई नेता शामिल हुए। टीआरएस के बारे में दावा किया जाता है कि वह दिल्ली में अपना कार्यालय खोलने वाली दक्षिण भारत की पहली राजनीतिक पार्टी है। टीआरएस प्रमुख पार्टी के कुछ शीर्ष नेताओं के साथ बुधवार को एक विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे थे। टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. केसीआर के बेटे रामा राव शिलान्यास समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहले ही राष्ट्रीय राजधानी पहुंच चुके थे।

खत्म नहीं हुई कोरोना की दूसरी लहर, देश के 69प्र. मामले अकेले केरल में: स्वास्थ्य मंत्रालय

लखनऊ। (एजेंसी)।

देश में कोरोना वायरस के ताजा हालात को लेकर आज स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने बताया कि अभी भी कोरोना वायरस की दूसरी लहर खत्म नहीं हुई है। देशभर में पिछले हफ्ते जो रिपोर्ट आए हैं उनमें कोरोना वायरस के 69 प्रतिशत के मामले अकेले केरल राज्य से है। ये 9वां सप्ताह है जब देश में साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 3प्र. से कम रहा है। देश में 38 ज़िलों में साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 5-10प्र. के बीच है।

राजेश भूषण ने आगे बताया कि अभी भी 42 ज़िले ऐसे हैं जहां कोरोना के प्रतिदिन 100 से ज़्यादा मामले रिपोर्ट होते हैं। केरल में एक लाख से ज़्यादा सक्रिय मामले हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 10,000 से एक लाख के बीच हैं। सरकार ने कहा कि सामूहिक समारोहों को हतोत्साहित करना होगा, यदि किसी सभा में शामिल होना जरूरी है तो पूर्ण टीकाकरण एक पूर्व शर्त होनी चाहिए। लोगों को घर पर त्योहार मनाने चाहिए, कोविड अनुकूल व्यवहार का पालन करें और टीकाकरण करवाएं। सिक्किम, दादरा और नगर हवेली तथा हिमाचल प्रदेश में शत-प्रतिशत व्यस्क आबादी को कोविड-19 रोधी टीके की कम से कम एक खुराक दी जा चुकी है।

इंधन की कीमतों में बढ़ोतरी, महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की महिलाओं, युवा विंगों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा महंगाई और ईंधन की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर सरकार पर हमला करने के एक दिन बाद पार्टी के प्रमुख संगठनों- युवा और महिला विंग ने नई दिल्ली में गुरुवार को सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सात लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास के पास महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, ईंधन और रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ युवा कांग्रेस ने पेट्रोलियम मंत्रालय के बाहर धरना दिया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा, मोदी सरकार देशवासियों को बड़े सपने दिखाकर सत्ता में आई, लेकिन आज गरीबों के लिए महंगा सिलेंडर खरीदना मुश्किल हो गया है। देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। गैस सिलेंडर की कीमत अब 1000 रुपये के करीब पहुंच गई है। इसी तरह पेट्रोल-डीजल के दाम भी बढ़ रहे हैं और सरकार लोगों की सुनने को तैयार नहीं है। महिला कांग्रेस ने पीएम आवास के पास विरोध किया लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

शिक्षण संस्थानों के संचालन में प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन हो: अशोक गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शैक्षणिक संस्थानों में कोरोना संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। गहलोत ने चेताया कि एसओपी व प्रोटोकॉल की पालना नहीं हुई तो संक्रमण के फिर बढ़ने का खतरा है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में नौवीं से बारहवीं कक्षाओं के लिए स्कूलों में पढ़ाई बुधवार को फिर शुरू हो गई। इन कक्षाओं के लिए सरकारी और निजी स्कूल चार महीने से भी अधिक समय तक बंद रहने के बाद खुले हैं। गहलोत ने ट्वीट किया, 'राज्य में शैक्षणिक संस्थान खोल दिए गए हैं। कोरोना महामारी के कारण लंबे समय से शैक्षणिक संस्थान बंद होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। यह सभी की जिम्मेदारी है कि शिक्षण संस्थानों के संचालन के लिए जारी की गई एसओपी की सख्ती से पालना करें।' उन्होंने? कहा, 'यदि एसओपी व कोरोना प्रोटोकॉल की पालना नहीं हुई तो पुनः संक्रमण बढ़ने का खतरा है इसलिए पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य का भी उचित ध्यान रखें एवं सख्ती से प्रोटोकॉल व एसओपी की पालना सुनिश्चित करें। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं।' शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार कक्षाओं में एक बार में 50 प्रतिशत छात्रों की संख्या की अनुमति है और सभी व्यवस्थाएं कोरोना प्रोटोकॉल के अनुसार की जानी हैं।

राशन-पानी हो या दवाई, बुजुर्गों की हर जरूरत होगी पूरी: योगी

लखनऊ। (एजेंसी)।

यूपी के 55 लाख 77 हजार बुजुर्गजनों को उनकी तीन माह की वृद्धावस्था पेंशन की राशि एकमुश्त मिल गई है। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र इन वरिष्ठ नागरिकों के बैंक खाते में 836.55 करोड़ डिजिटली ट्रांसफर किए। इसमें 4 लाख 56 हजार ऐसे भी बुजुर्ग शामिल हैं, जो पहली बार पेंशन की राशि मिली।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि वृद्धजन के पास अनुभवों की थाती है। यह हमारे मार्गदर्शक हैं। केंद्र और राज्य सरकार हर एक वृद्ध के जीवन और आजीविका का प्रबंध करने के लिए सेवाभाव के साथ काम कर रही है। बुजुर्गों को राशन-पानी की जरूरत हो

अथवा बीमारी के समय इलाज और दवाइयों की, सब कुछ मुफ्त में मुहैया कराया जा रहा है। यही नहीं, बुजुर्गों के लिए खासतौर से एल्डर हेल्पलाइन 14567 जारी किया गया है, जहां 24 घण्टे कोई भी वरिष्ठ नागरिक सम्पर्क कर मदद ले सकता है। वर्चुअल माध्यम से विभिन्न जिलों के वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों से बात करते हुए सीएम ने सभी की सेहत का हालचाल भी पूछा और जिलाधिकारियों को हर जरूरतमंद को आयुष्मान भारत अथवा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ मुहैया कराने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों में बुजुर्गजन उपेक्षित थे। कोई उनकी ओर ध्यान नहीं देता था लेकिन आज वृद्धजनों के सुखमय जीवन के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के बीच जीवन के साथ-साथ लोगों की आजीविका सुरक्षित रखने के प्रयास भी हुए। आज हर गरीब परिवार के हर सदस्य को प्रतिमाह 05 किलोग्राम राशन मुफ्त मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बीते चार साल में 30 लाख नए बुजुर्ग वृद्धावस्था पेंशन योजना से जुड़ सके हैं। कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजना का लाभ हर एक गरीब को, हर एक किसान को, हर एक बुजुर्ग को, हर एक निराश्रित महिला को प्राप्त हो यही सरकार की मंशा है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी अभियान के क्रम में इन सभी योजनाओं के लिए मुक्त हस्त से सही लोगों के लिए समय समय पर लाभ की इन योजनाओं को जारी भी किया है। यह सब सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

असम में बदला राजीव गांधी राष्ट्रीय पार्क का नाम, कांग्रेस ने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

असम सरकार की ओर से राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान का नाम बदलकर अब ओरांग राष्ट्रीय उद्यान करने के बाद वहां की राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस लगातार असम सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि जो व्यक्ति असम का ष्टरू बना बैठा है, जो कहा करता था कि राजीव गांधी की वजह से राजनीति में हूं। उनका नाम मिटाकर क्या समझता है कि मिट जाएगा। पार्कों से शहीदों का नाम मिटाकर कुछ हासिल नहीं होने वाला।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भी मौजूद सरकार पर हमला बोला। गौरव गोगोई ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो बीजेपी सरकार के फैसले को रद्द करके फिर से ओरांग राष्ट्रीय उद्यान का नाम बदलकर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें आरएसएस के विपरीत शहीदों का सम्मान करना सिखाती

है। आपको बता दें कि हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में आशा मंत्रिमंडल ने बुधवार को ओरांग राष्ट्रीय उद्यान के नाम से राजीव गांधी का नाम हटा दिया था।

कई सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि आदिवासियों और चाय जनजाति समुदायों की मांगों को ध्यान में रखते हुए राजीव गांधी ओरांग राष्ट्रीय उद्यान का नाम बदला गया है। एक और ट्वीट में हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा 'हवा साफ करना चाहते हैं। ओरंग राष्ट्रीय उद्यान का नाम नहीं बदला गया है। असम में किसी भी राष्ट्रीय उद्यान का नाम किसी व्यक्ति के नाम पर नहीं है। 2005 में सरकार ने इस परंपरा को तोड़ा और पूर्व पीएम राजीव गांधी का नाम चिपका दिया। स्थानीय भावनाओं का सम्मान करने के लिए मूल नाम बहाल।'

राम मंदिर निर्माण कार्यशाला में कारीगरों ने शुरू किया कार्य

अयोध्या। (एजेंसी)।

राम जन्मभूमि परिसर में मंदिर निर्माण को लेकर लगातार गतिविधियां तेज हो गई है। जहां परिसर में नींव भराई का कार्य पूरा हो गया है। तो वही मंदिर निर्माण कार्यशाला में भी हलचल तेज हो गई हैं। राजस्थान के जयपुर से आए 8 कारीगरों ने कार्यशाला का कार्यभार संभाल लिया है।

राम मंदिर निर्माण के लिए राजस्थान के बंसी पहाड़पुर से पिंक सैंड स्टोन से मंदिर निर्माण किया जाना है। इसके लिए 1989 में शुरू हुई कार्यशाला में अब तक 25त्न ही पत्थरों पर नक्काशी के कार्य को पूरा हुआ है। तो वहीं अभी भी बड़ी संख्या में कार्यशाला में नक्काशी के लिए पत्थर रखे है। तो वही नक्काशी की गई पत्थरों में भी काफी पत्थर अधूरे हैं। जिन्हें पूरा किये जाने है। लेकिन कुछ वर्ष पूर्व कार्यशाला बंद हो गया था। इस बीच राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद आज इस कार्यशाला को पुनः शुरू कर दिया गया है। और जयपुर से आए विशेष कारीगरों ने कार्यशाला में रखे पत्थरों पर नक्काशी का कार्य शुरू करने की प्रक्रिया तेज केआर दी है।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि मंदिर का प्रिंट तैयार होने के बाद भूतल के पत्थरों को लगाए जाने का कार्य किया जाएगा इसके लिए 15 वर्ष से कार्यशाला में तराशे गए पत्थर रखे हुए हैं जिसमें अभी बहुत से पत्थरों पर किए गए नक्काशी का कार्य भी अधूरा है उन्हें पूरा किए जाने के लिए 8 कारीगर लगाए गए हैं जब यह कार्य तेजी से शुरू होगा तो और भी कारीगरों को लगा दिया जाएगा वही राजस्थान के बंसी पहाड़पुर से निकलने वाले पत्थरों को राजस्थान के कार्यशाला से ही तैयार करने का का कार्य प्रारंभ होगा जिसके बाद उन पत्थरों को अयोध्या लाने का कार्य किया जाएगा।

भतीजे अखिलेश को चाचा शिवपाल की नसीहत, समाजवादी पार्टी में नहीं होनी चाहिए माफियाओं की एंट्री

लखनऊ। (एजेंसी)।

हाल में ही माफिया डान और बहुजन समाज पार्टी के विधायक मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी ने आज अपने बेटे के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। इसी को लेकर अखिलेश यादव के चाचा और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल यादव ने अपनी राय रखी है। शिवपाल यादव ने साफ तौर पर कहा कि समाजवादी पार्टी में माफियाओं की एंट्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि जब तक वह समाजवादी पार्टी में थे तब तक इस तरह के लोगों को कभी भी प्रवेश नहीं करवाया गया। शिवपाल यादव ने यह भी कहा कि जब तक मैं प्रदेश अध्यक्ष था हमारे पास कोई माफिया नहीं आया। किसी भी माफिया को समाजवादी पार्टी में नहीं लिया जाना चाहिए।

आपको बता दें कि 2016-17 में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच विवाद इसी बात को लेकर शुरू हुआ था। शिवपाल यादव ने कहा कि मैंने पहले ही सिबगतुल्लाह अंसारी और अफजल अंसारी को समाजवादी पार्टी में लिया था। लेकिन बाद में उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी थी। 2016 में अखिलेश यादव ने इन दोनों की ही एंट्री का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि मैंने ही कौमी एकता दल का समाजवादी पार्टी में विलय करवाया था। तब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे और खुले तौर पर इसका विरोध किया था।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। सभी पार्टियां अपनी अपनी रणनीति को अंजाम देने में जुटी हुई हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव लगातार भाजपा सरकार पर निशाना साध रहे हैं। वही शिवपाल यादव की अपनी रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। इन सबके बीच लगातार सवाल यह उठ रहे हैं कि क्या शिवपाल यादव और अखिलेश यादव एक बार फिर से साथ आ सकते हैं। हालांकि दोनों इस संभावना से लगातार इंकार कर रहे हैं।

तिब्बतियों ने मनाई तिब्बती संसद की 61 वीं वर्षगांठ

धर्मशाला (एजेंसी)।

लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) ने गुरुवार को परम पावन, दलाई लामा और 80,000 तिब्बतियों के निर्वासन में आने के बाद तिब्बती संसद की 61वीं स्थापना की वर्षगांठ मनाई। भारत में निर्वासन में आने के बमुश्किल 10 महीने बाद 3 फरवरी, 1960 को, तिब्बतियों के प्रतिनिधि पहली बार बोधगया में इकट्ठा हुए और आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के मार्गदर्शन में एकता और सहयोग बनाने की शपथ ली। कशाग या तिब्बती कैबिनेट ने एक बयान में कहा, आज जब हम 61वां लोकतंत्र दिवस मना रहे हैं। हम तिब्बत में अपने हमवतन लोगों को हार्दिक बधाई देते हैं। चीन की प्रचार मशीनरी अपने हाल के श्वेत पत्रों में तिब्बत की तथाकथित शांतिपूर्ण मुक्ति के 70 वर्षों के दौरान विकास के कितने भी झूठे दावे करें, तिब्बत के अंदर तिब्बतियों ने तिब्बती पहचान को खत्म करने के लिए चीन की निरंतर नीति के सामने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प बनाए रखा है और वे तिब्बत के धर्म, संस्कृति, भाषा और परंपरा की रक्षा के लिए चौतरफा प्रयास कर रहे हैं, जिसके लिए हम तहे दिल से आभारी हैं। यह वह ताकत है जो निर्वासन में तिब्बतियों को एकजुट करती है और स्वतंत्रता संग्राम को जीवित रखती है। तिब्बत में फिर से एकजुट होना हमारे दिल में आम इच्छा है और हम तिब्बत में अपने भाइयों से अपना दृढ़ संकल्प ना खोने की अपील करना चाहते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री पुस्त्रोत्तम रूपाला और भूपेन्द्र यादव के अलावा गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और सांसद व गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील।

गुजरात प्रदेश भाजपा कारोबारी में शामिल होने केवडिया पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने स्वागत किया।

प्रेम संबंधों में युवक ने गंवाई जान, युवती के पिता ने दोस्तों के साथ मिलकर उतारा मौत के घाट

क्रांति समय दैनिक समाचार

महीसागर,जिले के टिंटोई गांव के सीमा स्थित कुएं से गत 24 अगस्त को एक युवक का शव बरामद होने के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। युवक की मौत करंट लगने से हुई थी और मरने के बाद उसका शव कुएं में फैंक दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में युवक की प्रेमिका के पिता और उसके दो दोस्तों को गिरफ्तार आगे की कार्रवाई शुरू की है। पुलिस जांच में पता चला कि युवक की हत्या प्रेम संबंधों के कारण की गई है। महीसागर जिले की लूणावाडा तहसील के टिंटोई गांव निवासी बलवंतसिंह बारिया की पुत्री का उसी गांव में रहनेवाले शैलेन्द्र बारिया नामक युवक से प्रेम संबंध थे। अक्सर दोनों गांव के भूपेन्द्रसिंह बारिया के खेत में मिलते और शारीरिक संबंध बनाते थे। भूपेन्द्रसिंह को जब इसका पता चला तो उसने युवती के पिता इसकी जानकारी दी। समाज में बदनामी से बचने के लिए युवती के पिता ने शैलेन्द्र की हत्या की योजना बनाई और उसमें अपने दोस्त भूपेन्द्रसिंह बारिया और भरतसिंह बारिया को भी शामिल कर लिया। योजना के मुताबिक जिस जगह शैलेन्द्र और युवती मिला करते थे, उस खेत की बाड से बिजली का तार जोड़ दिया। शैलेन्द्र जब अपनी प्रेमिका से मिलने जा रहा था तब उसे बाड पर करंट लगा और उसकी वहीं पर मौत हो गई।

जिसके बाद युवती के पिता बलवंतसिंह बारिया उसके दो दोस्त भूपेन्द्रसिंह बारिया और भरतसिंह बारिया ने युवक के शव कुएं में फैंक दिया था। हत्या के इस मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

पुलिस यूनिफार्म में वीडियो बनाने पर फिर सस्पैंड हुई कांस्टेबल अर्पिता चौधरी

क्रांति समय दैनिक समाचार

मेहसाणा,बहुचराजी मंदिर में पुलिस यूनिफार्म में वीडियो बनाकर सोशल मीडिया वायरल करने पर पुलिस कांस्टेबल अर्पिता चौधरी का सस्पैंड कर दिया गया है। इससे पहले पुलिस थाने में वीडियो बनाने पर अल्पिता चौधरी को सस्पैंड किया गया था। लेकिन उस घटना से अर्पिता चौधरी ने सबक नहीं लिया और फिर एक बार ऑन ड्यूटी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जानकारी के मुताबिक पुलिस कांस्टेबल अर्पिता चौधरी के

मेहसाणा जिले के बहुचराजी मंदिर की सुरक्षा में लगाया गया था। जहां अर्पिता चौधरी ने पुलिस यूनिफार्म में ऑन ड्यूटी वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद बहुचराजी पुलिस थाना प्रभारी ने अर्पिता चौधरी को सस्पैंड कर दिया है।

सस्पैंड किए जाने के बाद अर्पिता चौधरी ने कहा कि उन्होंने ड्यूटी के दौरान वीडियो नहीं बनाया। ड्यूटी खत्म होने के बाद का समय मेरा निजी समय है और उस दौरान में मैं स्वतंत्र हूं। अर्पिता चौधरी ने आरोप लगाया कि कुछ मीडिया हाउस पब्लिसिटी के लिए इस मुद्दे को उठा रहे हैं। जबकि सोशल मीडिया पर हजारों पुलिसकर्मियों के वीडियो हैं, जिस पर मीडिया हाउस खामोश रहता है।

सिविल अस्पताल की चौथी मंझिल से युवक ने लगाई मौत की छलांग, हालत गंभीर

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,शहर के सिविल अस्पताल की चौथी मंझिल से कूदकर एक युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया। इस घटना में युवक की जान तो बच गई है, लेकिन सिर में गंभीर चोट लगने से फिलहाल ट्रोमा सेंटर में उसका उपचार चल रहा है। अहमदाबाद के असारवा क्षेत्र स्थित सिविल अस्पताल में नरेश सोलंकी नामक युवक आत्महत्या करने गया था। नरेश अस्पताल की चौथी मंझिल के जी ब्लोक के छज्जे पहुंच गया। चौथी मंझिल के छज्जे पर खड़े युवक देख वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे समझाने का प्रयास किया। लेकिन वह नहीं माना।

जिससे सुरक्षाकर्मियों ने फायर विभाग को इसकी जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने युवक को बचाने के लिए नेट बिछा दी। चौथी मंझिल से कूदा नरेश सोलंकी ऑक्सीजन प्लांट पर गिरा।

इस घटना में उसकी जान तो बच गई, परंतु सिर में गंभीर चोट आने से उसे सिविल अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती किया गया है।

नरेश सोलंकी के आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है।

अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के अधीक्षक बने डॉ. राकेश जोशी

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,शहर के सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. जेवी मोदी के इस्तीफे के बाद अधीक्षक प्रभारी डॉ. राकेश जोशी को सौंपा गया है। वरिष्ठ बाल सर्जन डॉ. राकेश जोशी को सिविल अस्पताल का प्रभारी अधीक्षक नियुक्त किया गया है। डॉ. राकेश जोशी सिविल अस्पताल के अतिरिक्त अधीक्षक के तौर पर भी सेवारत हैं। बता दें कि अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. जेवी मोदी ने इस्तीफा दे दिया था। बुधवार को राज्य सरकार ने डॉ. जेवी मोदी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। जेवी मोदी के इस्तीफे के बाद सिविल अस्पताल के अन्य तीन डॉक्टरों ने भी इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने वाले तीन डॉक्टरों में बीजे मेडिकल कॉलेज के डीन प्रणय शाह, मेडिसीन विभाग के बिपिन अमीन और एनेस्थेसिया विभाग के शैलेष शाह शामिल हैं। इन तीनों डॉक्टरों को इस्तीफा भी सरकार ने मंजूर कर लिया है।

जापान पेरालम्पिक के भारतीय खिलाडी और सहायकों को मोरारी बापू देंगे प्रोत्साहन राशि

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,विख्यात कथाकार मोरारी बापू ने जापान में चल रहे पेराम्पिक में भागलेने वाले सभी भारतीय खिलाडियों और उनके सहायकों को रु 21 लाख की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। जापान में मुख्य ऑलम्पिक खेल पूर्ण होने के बाद अब पेरालम्पिक खेल चल रहे हैं। जिसमें भारत से 54 स्पर्धक और कोच, मैनेजर व अन्य सहायक समेत कुल 104 लोग भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मोरारी बापू ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेने वाले खिलाडियों को रु 13.50 लाख रूपए देने का ऐलान किया है।

इस राशि के तहत प्रत्येक खिलाडी को रु 25000 की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। जबकि स्पर्धकों के कोच, मैनेजर और अन्य सहयोगियों समेत 50 लोगों को 7.50 लाख रूपए दिए जाएंगे।

गुजरात की प्रदर्शन की राजनीति ने देश की राजनीति को बदल दिया : राजनाथ सिंह

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,केन्द्रीयरक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज केवडिया में कहा कि गुजरात में भाजपा की सफलता का राज है सत्ता पाने के बाद उसने लोगों का जीवनस्तर पर बदल दिया है। प्रदर्शन की राजनीति की जो शुरूआत भाजपा ने गुजरात में की है, उसने देश की राजनीति को बदल कर रख दी। गुजरात के मुख्यमंत्री और संगठन के लोगों ने यह साबित कर दिया है। मैं सीआर पाटील, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से लेकर सभी को इसका श्रेय देता हूं। गुजरात भाजपा की छवि आज समूचे देश में दिख रही है, जिसका श्रेय सभी कार्यकर्ताओं को जाता है। नर्मदा जिले के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में गुजरात प्रदेश भाजपा की कारोबारी की बैठक में भाग लेने पहुंचे राजनाथ सिंह ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार साहब को पुष्पाजंलि अर्पण की।

इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, भूपेन्द्र यादव, गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, प्रदेश भाजपा प्रमुख और सांसद सीआर पाटील समेत अन्य नेतागण मौजूद रहे। कारोबारी बैठक को को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि गुजरात और बाद में देश की राजनीति बदलने में नरेन्द्र मोदी की बड़ी भूमिका रही है। पिछले 20 वर्ष से नरेन्द्र मोदी परफोर्मन्स पोलिटिक्स और समाज के प्रत्येक व्यक्ति की चिंता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा कार्यकर्ता सीआर पाटील के नेतृत्व में टेक्नोलोजी के उपयोग से मजबूत हुए हैं। विपक्ष भाजपा को चुनाव जीतने की मशीन कहता है। वास्तव में भाजपा जनता का विश्वास जीतने की मशीन है। कांग्रेस पर कड़े प्रहार करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने गांधी के नाम का काफी उपयोग किया। यहां तक कि गांधी सरनेम भी रख ली। लेकिन कांग्रेस ने गांधी जी का काम छोड़ दिया। कांग्रेस की सरकार ने देश का भला करने के बजाए अपना भला किया। कांग्रेस ने लोगों को लाभ देने के बजाए भ्रष्टाचार किया। कांग्रेस को टेलेंट आयात करना पड़ता है, जबकि गुजरात भाजपा में टेलेंट की कोई कमी नहीं है। किसी भी मुद्दे का विरोध करना इस शब्द का पर्याय है राहुल गांधी। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज देश में कहीं आतंकवादी घटनाएं नहीं होतीं, जिसके लिए देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभारी है। आगामी भविष्य में हथियारों के उत्पादन में भी भारत अग्रसर होगा। दो साल में भारत ने 17 हजार करोड़ का निर्यात किया है। जल्द ही भारत हथियारों के उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com